epaper.dehatsandesh.com

3 जम्मू में एनसी यूथ विंग की बैठक, चुनावों को लेकर रणनीति पर जोर

5 आर्चरी प्रीमियर लीग मेरे ओलंपिक सपनों की राह का पुल साबित हो सकती है: दीपिका

8 गेहूं की खेती की वैज्ञानिक तकनीक

मौसम जम्मू — न्यूनतम 22 — अधिकतम 26

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-242 | जम्मू तवी, वीरवार 02 अक्तूबर, 2025 | मूल्य-2 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

केंद्र ने दी राष्ट्रीय दलहन मिशन को मंजूरी

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दलहन आत्मनिर्भरता मिशन को मंजूरी दे दी। इसका उद्देश्य घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना और दालों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना है।

केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पत्रकार वार्ता में बताया कि यह मिशन 2025-26 से 2030-31 तक छह वर्षों की अवधि में 11,440 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ क्रियान्वित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि

भारत की फसल प्रणालियों और आहार में दालों का विशेष महत्व है। देश दुनिया का सबसे बड़ा दाल उत्पादक और उपभोक्ता है। बढ़ती आय और जीवन स्तर के साथ दालों की खपत में वृद्धि हुई है, लेकिन घरेलू उत्पादन, मांग के अनुरूप नहीं रहा है जिसके कारण दालों के आयात में 15 से 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा, आयात निर्भरता को कम करने, बढ़ती मांग को पूरा करने, अधिकतम उत्पादन करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में छह-वर्षीय दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की घोषणा की गई थी। यह मिशन अनुसंधान, बीज प्रणालियों, क्षेत्र विस्तार, खरीद और मूल्य स्थिरता को शामिल करते हुए एक व्यापक रणनीति अपनाएगा। उन्होंने कहा कि मिशन के तहत दालों की नवीनतम किस्मों के विकास और प्रसार पर ज़ोर दिया जाएगा जो उच्च उत्पादकता वाली, कीट-प्रतिरोधी और जलवायु-प्रतिरोधी हों। क्षेत्रीय उपयुक्तता सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख दलहन उत्पादक राज्यों में बहु-स्थानीय परीक्षण किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त राज्य उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पंचवर्षीय चक्रीय बीज उत्पादन योजनाएं तैयार करेंगे। उन्नत किस्मों को व्यापक रूप से उपलब्ध कराने के लिए, 2030-31 तक 370 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हुए दलहन उत्पादक किसानों को 126 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरित किए जाएंगे। मृदा स्वास्थ्य कार्यक्रम, कृषि यंत्रीकरण पर उप-मिशन, संतुलित उर्वरक उपयोग, पौध संरक्षण और सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधार परिषद, केवीके और राज्य विभागों के व्यापक प्रदर्शनों के समन्वय से इसे पूरक बनाया जाएगा।

रबी फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर । केन्द्र सरकार ने किसानों को उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के लिए विपणन सत्र 2026-27 के लिए रबी फसलों के एमएसपी में वृद्धि की है। एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि कुसुम (600 रुपये प्रति क्विंटल) और मसूर (300 रुपये प्रति क्विंटल) में की गई है। रेपसीड और सरसों, चना, जौ और गेहूं के लिए क्रमश: 250, 225, 170 और 160 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने विपणन सत्र 2026-27 के लिए सभी अनिवार्य रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि को मंजूरी दी। केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने आज राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विपणन सत्र 2026-27 के लिए अनिवार्य रबी फसलों के लिए एमएसपी में वृद्धि केंद्रीय बजट 2018-19 में अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर एमएसपी तय करने की घोषणा के अनुरूप है। अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत पर अपेक्षित मार्जिन गेहूं के लिए 109 प्रतिशत है, इसके बाद रेपसीड और सरसों के लिए 93 प्रतिशत; मसूर के लिए 89 प्रतिशत; चना के लिए 59 प्रतिशत; जौ के लिए 58 प्रतिशत; और कुसुम के लिए 50 प्रतिशत है।

रामनवमी के अवसर पर बाग ए बाहू स्थित मा काली के दरबार में माथा टेक आर्शिवाद प्राप्त करते भक्तजन।

छाया: सुरजीत

प्रधानमंत्री ने आरएसएस शताब्दी समारोह में 100 रुपये का सिक्का और डाक टिकट जारी किया

नयी दिल्ली, 01 अक्टूबर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने अपनी प्राथमिकताओं को राष्ट्र की प्राथमिकताओं के साथ संरेखित करते हुए हर युग में देश के सामने आने वाली बड़ी चुनौतियों का डटकर सामना किया है। श्री मोदी ने बुधवार को यहां आएसएस के शताब्दी समारोह में कहा कि गुरुवार को विजयादशमी का महापर्व है जो भारतीय संस्कृति के शाश्वत उद्घोष का प्रतीक है। ऐसे ही पावन अवसर पर शताब्दी वर्ष पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना कोई संयोग नहीं है। उन्होंने कहा कि यह हजारों वर्षों से चली आ रही एक प्राचीन परंपरा का पुनरुद्धार है जिसमें राष्ट्रीय चेतना प्रत्येक युग की चुनौतियों का सामना करने के

लिए नए रूपों में प्रकट होती है। उन्होंने इस उपलक्ष्य में एक विशेष डाक टिकट और स्मारक सिक्का जारी किया है। 100 रुपये के इस सिक्के पर एक ओर राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न और दूसरी ओर स्वयंसेवकों द्वारा सलामी दिए जा रहे सिंह के साथ वरद मुद्रा में भारत माता की भव्य छवि अंकित है। श्री मोदी ने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में संभवत: यह पहली बार है जब भारत माता की छवि भारतीय मुद्रा पर दिखाई दी है।

चरणबद्ध तरीके से हटाए जाएँगे प्रतिबंध : लद्दाख के उपराज्यपाल

लेह, 1 अक्टूबर। लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने आज कहा कि 24 सितंबर को केंद्र शासित प्रदेश में हुई हिंसा के बाद, स्थिति पूरी तरह से स्थिर होने पर एहतियाती उपायों के तौर पर लगाए गए सभी प्रतिबंध चरणबद्ध तरीके से जल्द ही हटा दिए जाएँगे। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनों लोग घायल हुए थे।

केंद्र शासित प्रदेश में मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति का जायजा लेने के लिए एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपराज्यपाल ने कहा, ﬁशांति और विकास प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताएँ हैं। लोगों के सहयोग से, लद्दाख प्रगति के पथ पर अग्रसर रहेगा। लेह जिले में आज कर्फ्यू हटा लिया गया। 24 सितंबर

को हुई हिंसा के बाद से लेह में तनाव बना हुआ है, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी और 100 से ज़्यादा घायल हुए थे। राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची का दर्जा दिए जाने की माँग को लेकर हुई हिंसा के बाद, कर्फ्यू लगा दिया गया और लगभग 50 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी शामिल थे। हालाँकि स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है, मोबाइल इंटरनेट अभी भी बंद है। बैठक के बाद एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि अधिकारियों ने उपराज्यपाल को नवीनतम सुरक्षा परिदृश्य और क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता बनाए रखने के लिए किए गए उपायों की जानकारी दी। उपराज्यपाल ने पिछले सप्ताह चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सामान्य स्थिति बहाल करने में सुरक्षा बलों और नागरिक प्रशासन के अथक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने लद्दाख के लोगों द्वारा दिखाए गए धैर्य और सहयोग की भी सराहना की। कल्याणकारी उपायों की समीक्षा करते हुए, कविंदर गुप्ता ने सरकारी अस्पताल में इलाज करा रहे शेष घायलों का हालचाल पूछा।

उन्होंने प्रशासन और अस्पताल अधिकारियों को सर्वोत्तम संभव चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने उपायुक्त को निर्देश दिया कि जिन मामलों में केंद्र शासित प्रदेश के बाहर उन्नत चिकित्सा उपचार की आवश्यकता है, प्रशासन को हर संभव मानवीय सहायता और वित्तीय सहायता प्रदान करनी चाहिए ताकि किसी भी व्यक्ति को कठिनाई का सामना न करना पड़े या वह उपेक्षित महसूस न करे। नागरिकों से अपील करते हुए, उपराज्यपाल ने लोगों से अफवाहों या गलत सूचनाओं पर ध्यान न देने का आग्रह किया और उन्हें आश्वासन दिया कि शांति और सद्भाव की हर कीमत पर रक्षा की जाएगी। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि प्रशासन, सुरक्षा बलों के साथ मिलकर, पूरे केंद्र शासित प्रदेश में शांति, कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उपराज्यपाल ने आगे आश्वासन दिया कि स्थिति पूरी तरह से स्थिर होने के बाद, एहतियाती उपायों के तौर पर लगाए गए सभी प्रतिबंध जल्द ही चरणबद्ध तरीके से हटा दिए जाएँगे।

दुर्घटनावश चली गोली में एक सैनिक घायल

राजौरी, 1 अक्टूबर । जम्मू संभाग के राजौरी ज़िले में बुधवार को एक सैनिक दुर्घटनावश लगी गोली में घायल हो गया।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एक सैनिक अपने हथियार की सफाई करते समय दुर्घटनावश लगी गोली में घायल हो गया। उन्होंने बताया कि घायल सैनिक को तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहाँ उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। इस बीच मामले का संज्ञान लिया गया है और जाँच शुरू कर दी गई है।

गोरखा नगर में पीडीडी की रेड पर उठा सवाल, भ्रष्टाचार के घेरे में विभाग

“ लोगों का आरोप – रिश्वत लेकर फिर चालू हो जाते हैं अवैध कनेक्शन, गरीब ही सबसे आसान शिकार

आशु कुमार

जम्मू, 1 अक्तूबर

बिजली विकास विभाग (पीडीडी), जिसे आम लोग तंज़ कसते हुए अक्सर भ्रष्टाचार विभाग भी कहते हैं, एक बार फिर विवादों में है। हाल ही में विभाग ने मीडिया टीम के साथ मिलकर वार्ड नंबर 48, गोरखा नगर में अवैध कनेक्शनों के खिलाफ छापेमारी की।

हालांकि विभाग ने इस कार्रवाई को बिजली चोरी रोकने का बड़ा कदम बताया, लेकिन नॉर्थलाइन्स द्वारा स्थानीय लोगों से ली गई प्रतिक्रियाओं में एक बिल्कुल अलग तस्वीर सामने आई। लोगों का कहना है कि जिस अवैध कनेक्शन पर पीडीडी दिखावे की कार्रवाई कर रहा है, वही कनेक्शन उसके कर्मचारी पैसे लेकर खुद लगवाते हैं।

छापे पर लोगों का आरोप – यह सब दिखावा

इलाके के निवासियों ने आरोप लगाया कि यह छापा बिजली चोरी रोकने के बजाय पैसे वसूलने और डराने का तरीका था। एक व्यक्ति ने कहा, जब भी कोई नया जूनियर इंजीनियर या अफसर आता है तो लोगों में खौफ बनाने के लिए ऐसी रेड कराता है। लेकिन जैसे ही रिश्वत का खेल शुरू होता है, वही चोरी फिर से चालू हो जाती है।

लोगों का कहना है कि छापा महज़ दिखावा था और हकीकत में गरीब तबके को दबाने की साज़िश। यहां ज़्यादातर लोग बीपीएल कैटेगरी से आते हैं। इनके पास न जान-पहचान है, न पहुँच। इसलिए पीडीडी इन्हें ही सबसे आसान शिकार बनाता है, एक अन्य निवासी ने बताया।

इलाके के कई लोगों ने कहा कि अधिकारियों के पैसे बनाते ही हालात फिर से पहले जैसे हो जाते हैं और अवैध कनेक्शन निर्बाध जारी रहते हैं।

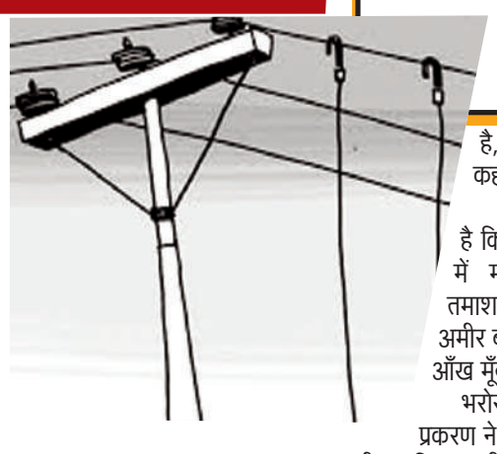

क्यों नहीं होती छापेमारी पॉश इलाकों में?

लोगों का सबसे बड़ा सवाल यही था कि आखिर पीडीडी की ईमानदारी सिर्फ़ गरीब बस्तियों तक ही क्यों सीमित है। अगर विभाग वाकई ईमानदार है तो गांधी नगर, चन्नी हिम्मत, गुज्जर नगर या बठिंडी जैसे पॉश इलाकों में भी छापे मारे। वहाँ भी चोरी है, लेकिन चुप्पी रहती है क्योंकि वहाँ से अच्छा-ख़ासा पैसा मिलता है, एक दुकानदार ने कहा।

निवासियों का आरोप है कि विभाग गरीब इलाकों में मीडिया को बुलाकर तमाशा करता है, जबकि अमीर बस्तियों में रिश्वत लेकर आँख मूँद लेता है।

भरोसे का संकटइस पूरे प्रकरण ने जनता और विभाग के बीच अविश्वास की खाई और गहरी कर दी है। विभाग दावा करता है कि छापेमार कार्रवाई से बिजली चोरी पर रोक लगेगी, मगर आम लोग मानते हैं कि जब तक विभाग के अपने कर्मचारी ही बेईमानी छोड़कर ईमानदार नहीं बनेंगे, तब तक यह समस्या खत्म नहीं होगी।

एक स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा, जब कनेक्शन लगाने वाले ही विभाग के लोग हों तो जनता को कैसे भरोसा होगा? अगर पीडीडी के कर्मचारी सही मायनों में ईमानदार हों, तो चोरी की गुंजाइश ही न रहे।

समाधान की राह

विशेषज्ञों का मानना है कि बिजली चोरी रोकने के लिए सिर्फ़ छापेमारी नहीं, बल्कि विभागीय सुधार और पारदर्शिता बेहद ज़रूरी है। कर्मचारियों की जवाबदेही तय हो, कार्रवाई हर इलाके में समान रूप से हो और गरीबों के साथ भेदभाव बंद किया जाए—तभी हालात बदल सकते हैं। फिलहाल गोरखा नगर के लोग पीडीडी की कार्रवाई को ड्रामा मानकर खारिज कर रहे हैं। जैसा कि एक निवासी ने कहा, चोरी हर जगह है। फर्क बस इतना है कि गरीब इलाकों में पीडीडी शोर मचाता है और अमीर इलाकों में पैसा खाकर चुप हो जाता है।

जम्मू-कश्मीर की स्थिति पर चर्चा के लिए अगला डीजीपी-आईजीपी सम्मेलन नवंबर में, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री शाह होंगे शामिल

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नवंबर में छत्तीसगढ़ में अखिल भारतीय डीजीपी-आईजीपी सम्मेलन में शामिल होंगे, जहाँ देश भर के शीर्ष पुलिस अधिकारी आंतरिक सुरक्षा, नक्सल विरोधी अभियान, साइबर सुरक्षा, मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई, जम्मू-कश्मीर की स्थिति और सीमा प्रबंधन सहित प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे।

विवरण के अनुसार, 28 नवंबर से शुरू होने वाले तीन दिवसीय सम्मेलन के 60वें संस्करण का उद्घाटन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे, जबकि समापन सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने की संभावना है, एक अधिकारी ने बताया।

उन्होंने कहा कि डीजीपी और आईजीपी रैंक के लगभग 250 अधिकारी इस कार्यक्रम में प्रत्यक्ष रूप से शामिल होंगे, जबकि 200 से अधिक अन्य वर्चुअल माध्यम से भाग लेंगे।

उन्होंने कहा कि सम्मेलन में विशेष ध्यान नक्सल प्रभावित क्षेत्रों पर होगा। उम्मीद है कि इस प्रगति को और आगे बढ़ाने और नई रणनीतियाँ बनाने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी। ﬁचर्चा में शामिल होने वाले अन्य प्रमुख मुद्दों में आंतरिक सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, नशीले पदार्थों के विरुद्ध लड़ाई, जम्मू-कश्मीर की स्थिति और सीमा प्रबंधन शामिल हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने देश से नक्सलवाद को पूरी तरह से मिटाने के लिए 31 मार्च, 2026 तक की समय-सीमा पहले ही तय कर दी है।

गौरतलब है कि 2014 से ही प्रधानमंत्री मोदी डीजीपी सम्मेलन में गहरी रुचि ले रहे हैं। सम्मेलन में नाश्ते, दोपहर के भोजन और रात के खाने पर विषयगत चर्चाओं का भी आयोजन किया गया है।

सोपोर में जमात-ए-इस्लामी से जुड़े दो लोगों के घरों पर छापेमारी, आपत्तिजनक सामग्री ज़ब्त

सोपोर, 1 अक्टूबर हि.स.। सोपोर पुलिस ने बुधवार को अलगाववादी और आतंकवादी नेटवर्क के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत उत्तरी कश्मीर के सोपोर के ज़ालूरा इलाके में जमात-ए-इस्लामी जेइल से जुड़े दो लोगों के घरों पर तलाशी अभियान चलाया।

पुलिस के अनुसार एक सक्षम अदालत से गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम यूएपीए के तहत उचित तलाशी वारंट प्राप्त करने के बाद तलाशी ली गई। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि ज़ालूरा सोपोर निवासी अब्दुल रहीम भट के बेटे मुहम्मद मकबूल भट और अब्दुल जब्बार डार के बेटे तनवीर अहमद डार के घरों की स्थानीय मजिस्ट्रेट और स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में गहन तलाशी ली गई। पुलिस ने कहा कि यह प्रक्रिया सख्त कानूनी अनुपालन और पारदर्शिता के साथ की गई। सूत्रों के अनुसार तलाशी के दौरान आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई जिसके प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी से जुड़े होने का अनुमान है। ज़ब्त की गई सामग्री को कब्जे में ले लिया गया है और जाँच के हिस्से के रूप में उसकी आगे जाँच की जाएगी। अधिकारियों ने जाँच की संवेदनशीलता का हवाला देते हुए विस्तृत जानकारी देने से परहेज किया लेकिन कहा कि यह सामग्री अलगाववादी और गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल नेटवर्क का पता लगाने में अहम साबित हो सकती है। पुलिस ने कहा कि ये छापे अचानक नहीं मारे गए बल्कि यूएपीए के तहत दर्ज मामलों से जुड़ी एक व्यापक जाँच प्रक्रिया का हिस्सा हैं। इस कार्रवाई का उद्देश्य उन सहायक ढाँचों की पहचान करना और उन्हें ध्वस्त करना है जो अलगाववादी विचारधारा का समर्थन करते हैं या प्रतिबंधित संगठनों को रसद सहायता प्रदान करते हैं।

नवरात्रि के दौरान 1.70 लाख श्रद्धालुओं ने माता वैष्णो देवी के दर्शन किए

जम्मू, 1 अक्टूबर। नवरात्रि के दौरान 1.70 लाख से ज़्यादा श्रद्धालुओं ने माता वैष्णो देवी मंदिर में दर्शन किए। इस दौरान माता वैष्णो देवी के आधार शिविर कटरा में जय माता दी के जयकारे और भजन गूंजते रहे। 22 सितंबर से बुधवार तक चलने वाली नवरात्रि देवी दुर्गा की पूजा के लिए समर्पित है। माता वैष्णो देवी मंदिर में इसका विशेष महत्व है, जहाँ इस दौरान सबसे ज़्यादा श्रद्धालु आते हैं। अधिकारियों ने बताया कि हर गुजरते दिन के साथ तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ रही है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सचिन कुमार वैश्य ने मंदिर परिसर में संवाददाताओं को बताया, 1.70 लाख से ज़्यादा तीर्थयात्री गुफा मंदिर के दर्शन कर चुके हैं। यात्रा सुचारू रूप से चल रही है। हर गुजरते दिन के साथ तीर्थयात्रियों की संख्या में वृद्धि हो रही है। उन्होंने तीर्थयात्रियों से बड़ी संख्या में मंदिर में आकर दर्शन करने का आग्रह किया। जय माता दी के नारे और भक्ति गीतों के साथ उत्साही तीर्थयात्री कड़ी सुरक्षा के बीच कटरा से माता वैष्णो देवी मंदिर के भवन तक घुमावदार रास्ते से यात्रा कर रहे थे। उज्जैन के सुरेश कुमार ने कहा, हम यहाँ दिव्य दर्शन के लिए आए हैं। आज नवमी होने के कारण यह एक विशेष रूप से पवित्र और शुभ दिन है। मेरा मानना है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कम

स `

कम एक बार वैष्णो देवी अवश्य जाना चाहिए। यह वास्तव में एक सुंदर स्थान है जो आस्था से भरे अनगिनत भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करता है। 12 सदस्यों के समूह में शामिल कुमार ने कहा कि तवी नदी में बाढ़ और जम्मू क्षेत्र में भारी तबाही के बावजूद, उन्होंने अपने रेल टिकट रद्द नहीं किए, बल्कि हर कीमत पर माता के दर्शन करने का निश्चय किया। उन्होंने कहा, यह माता का हमें आशीर्वाद देने का आह्वान था। 22 सितंबर को बहुस्तरीय सुरक्षा के बीच शारदीय नवरात्रि के नौ दिवसीय उत्सव की शुरुआत के बाद से, दोनों मार्गों कटरा और रोशनी व फूलों से सजे भवन में आध्यात्मिक उत्साह और पारंपरिक उल्लास का माहौल है। कर्नाटक की वीना राय ने कहा कि दो बार टिकट रद्द करने के बावजूद, वह माता के चरणों में हैं, जहाँ उन्होंने पूजा-अर्चना की और उनका आशीर्वाद लिया।

आयकर विभाग ने कश्मीर के एक होटल में तलाशी ली

श्रीनगर, 1 अक्टूबर । आयकर विभाग ने बुधवार को मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के हुमहामा इलाके में एक होटल में छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया कि आयकर विभाग के अधिकारियों ने सुरक्षा कर्मियों के साथ दिन के शुरुआती घंटों में होटल परिसर में तलाशी ली। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन का उद्देश्य प्रतिष्ठान से जुड़े वित्तीय रिकॉर्ड और लेनदेन की जांच करना था। एक सूत्र ने कहा कि दस्तावेजों, डिजिटल रिकॉर्ड और प्रासंगिक अन्य सामग्री की जांच की जा रही है। हालाँकि, कथित अनियमितताओं की प्रकृति या खोजों के परिणाम के संबंध में विभाग की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

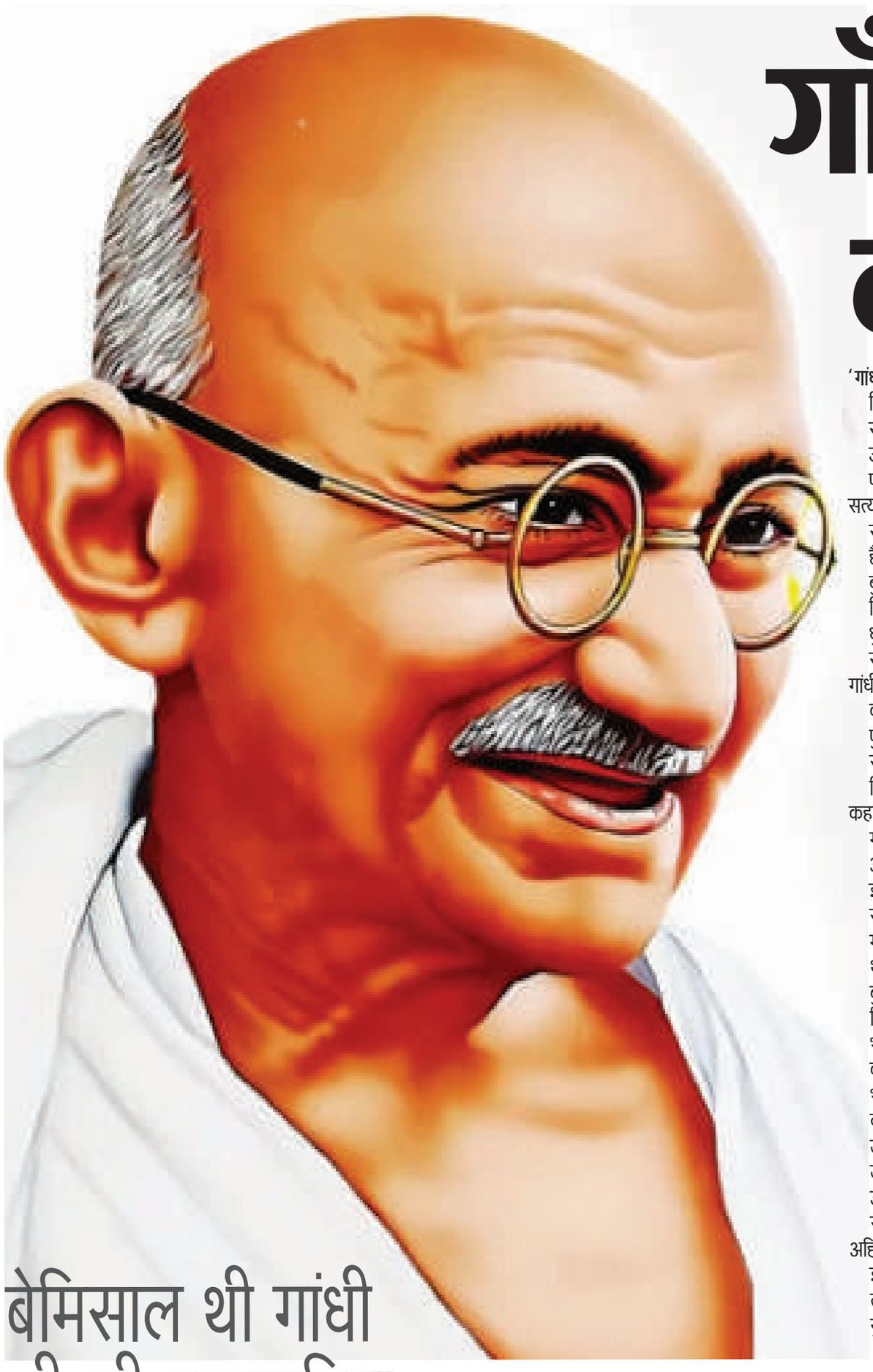

गाँधीवाद जीने की कला सिखाता है

'**गांधीवाद**' महात्मा गांधी के आदर्शों, विश्वासों एवं दर्शन से उदभूत विचारों के संग्रह को कहा जाता है, जो स्वतंत्रता संग्राम के सबसे बड़े राजनैतिक एवं आध्यात्मिक नेताओं में से थे। यह ऐसे उन सभी विचारों का एक समेकित रूप है जो गांधीजी ने जीवन पर्यंत जिया था।

सत्य एवं आग्रह दोंनो ही संस्कृत भाषा के शब्द हैं, जो भारतीय स्वाधीनता संग्राम के दौरान प्रचलित हुआ था, जिसका अर्थ होता है सत्य के प्रति सत्य के माध्यम से आग्रही होना।गांधीवाद के बुनियादी तत्वों में से सत्य सर्वोपरि है। वे मानते थे कि सत्य ही किसी भी राजनैतिक संस्था, सामाजिक संस्थान इत्यादि की धुरी होनी चाहिए। वे अपने किसी भी राजनैतिक निर्णय को लेने से पहले सच्चाई के सिद्धांतों का पालन अवश्य करते थे।

गांधीजी का कहना था 'मेरे पास दुनियावालों को सिखाने के लिए कुछ भी नया नहीं है। सत्य एवं अहिंसा तो दुनिया में उतने ही पुराने हैं जितने हमारे पर्वत हैं।' सत्य, अहिंसा, मानवीय स्वतंत्रता, समानता एवं न्याय पर उनकी निष्ठा को उनकी निजी जिंदगी के उदाहरणों से बखूबी समझा जा सकता है।

कहा जाता है कि सत्य की व्याख्या अक्सर वस्तुनिष्ठ नहीं होती। गांधीवाद के अनुसार सत्य के पालन को अक्षरश: नहीं बल्कि आत्मिक सत्य को मानने की सलाह दी गयी है। यदि कोई ईमानदारी- पूर्वक मानता है कि अहिंसा आवश्यक है तो उसे सत्य की रक्षा के रूप में भी इसे स्वीकार करना चाहिए। जब गांधीजी प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान स्वदेश लौटे थे तो उन्होंने कहा था कि वे शायद युद्ध में ब्रिटिशों की ओर से भाग लेने में कोई बुराई नहीं मानते। गांधीजी के अनुसार ब्रिटिश साम्राज्य का हिस्सा होते हुए भारतीयों के लिए समान अधिकार की मांग करना और साम्राज्य की सुरक्षा में अपनी भागीदारी न निभाना उचित नहीं होता। वहीं दूसरी तरफ द्वितीय विश्वयुद्ध के समय जापान द्वारा भारत की सीमा के निकट पहुंच जाने पर गांधीजी ने युद्ध में भाग लेने को उचित नहीं माना बल्कि वहां अहिंसा का सहारा लेने की वकालत की है।

अहिंसा का सामान्य अर्थ है 'हिंसा न करना'। इसका व्यापक अर्थ है - किसी भी प्राणी को तन, मन, कर्म, वचन और वाणी से कोई नुकसान न पहुँचाना। मन में भी किसी का अहित न सोचना, किसी को कटुवाणी आदि के द्वारा भी पीड़ा न देना तथा कर्म से भी किसी भी अवस्था में, किसी भी प्राणी का कोई नुकसान न करना ।

गाँधीजी के अनसार धर्म और राजनीति को अलग नही किया जा सकता है,क्योंकि धर्म मनुष्य को सदाचारी बनने के लिए प्रेरित करता है । स्वधर्म सबका अपना अपना होता है पर धर्म मनुष्य को नैतिक बनाता है । सत्य बोलना, चोरी नहीं करना, परदु-खकातरता,दूसरों की सहायता करना आदी यही सभी धर्म सिखाते हैं । इन मूल्यों को अपनाने से ही राजनीति सेवा भाव से की जा सकेगी । गाँधीजी आडम्बर को धर्म नही मानते और जोर देकर कहते हैं कि मन्दिर मे बैठे भगवान मेरे राम नही है । स्वामी विवेकानंदजी के दरिद्र नारायण की संकल्पना को अपनाते हुए मानव सेवा को ही वो सच्चा धर्म मानते हैं । वास्तव मे उनका विश्वास है कि प्रत्येक प्राणी इश्वर की सन्तान हैं और ये सत्य है; सत्य ही ईश्वर है ।

गांधीजी सामाजिक समानता के समर्थक थे,वे मानवता व सामाजिक समरसता में विश्वास करते थे। वे अंत-करण की पवित्रता को मानता थे ।साम्प्रदायिक सद्भाव व बंधुता उनके जीवन के मुख्य तत्व थे ।वास्तव में गांधीवाद का अर्थ है -वे आदर्श जो हमें जीने की कला सिखाते हैं । यह हक़ीक़त है कि गांधीवाद कालजयी है ।

अंत में यही कहूंगा कि-

'गांधी ने फैला दिया,सचमुच में उजियार ।
आओ हम समझें ज़रा,गांधीपथ का सार ।।'

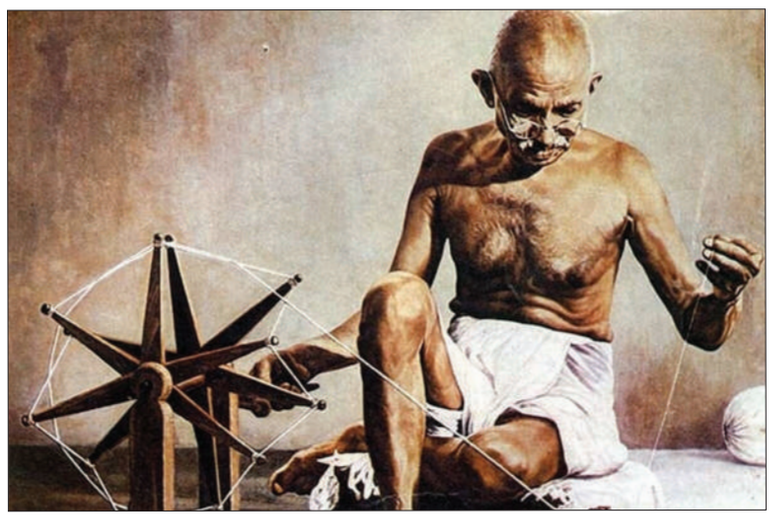

बेमिसाल थी गांधी जी की स्पष्टवादिता और सत्यनिष्ठा

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जीवन पर्यन्त देशवासियों के लिए आदर्श नायक बने रहे। स्वतंत्रता आन्दोलन में उनके अविस्मरणीय योगदान से तो पूरी दुनिया परिचित है। अहिंसा की राह पर चलते हुए भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्ति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गांधी जी ने अपनी स्पष्टवादिता और अहिंसक विचारों से पूरी दुनिया को प्रभावित किया था। उन्हीं के द्वारा दिखलाए मार्ग पर चलते हुए लाखों-करोड़ों भारतीय देश को अंग्रेजों की दासता से मुक्त कराने के लिए स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा बने थे। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की ईमानदारी, स्पष्टवादिता, सत्यनिष्ठा और शिष्टता के अनेक किस्से प्रचलित हैं। इन्हीं में कुछ ऐसे प्रसंग भी सामने आते हैं, जब उनकी बातें सुनकर उनके सम्पर्क में आए व्यक्ति का हृदय परिवर्तन हो जाता था। दरअसल लोगों के दिलोदिमाग पर उनकी बातों का जादू सा असर होता था।

गांधी जी एक बार श्रीमती सरोजिनी नायडू के साथ बैडमिंटन खेल रहे थे। श्रीमती नायडू के दाएं हाथ में चोट लगी थी। यह देख गांधी जी ने भी अपने बाएं हाथ में ही रैकेट पकड़ लिया। श्रीमती नायडू का ध्यान जब उस ओर गया तो वह खिलखिलाकर हंस पड़ी और कहने लगी, ''आपको तो यह भी नहीं पता कि रैकेट कौनसे हाथ में पकड़ा जाता है?'' बापू ने जवाब दिया, ''आपने भी तो अपने दाएं हाथ में चोट लगी होने के कारण बाएं हाथ में रैकेट पकड़ा हुआ है और मैं किसी की भी मजबूरी का फायदा नहीं उठाना चाहता। अगर आप मजबूरी के कारण दाएं हाथ से रैकेट पकड़कर नहीं खेल सकती तो मैं अपने दाएं हाथ का फायदा क्यों उठाऊं?''

आजादी की लड़ाई के दिनों में गांधी जी सश्रम कारावास की सजा भुगत रहे थे। एक दिन जब उनके हिस्से का सारा काम समाप्त हो गया तो वे खाली समय में एक ओर बैठकर एक पुस्तक पढ़ने लगे। तभी जेल का एक संतरी दौड़ा-दौड़ा उनके पास आया और उनसे कहने लगा कि जेलर साहब जेल का मुआयना करने इसी ओर आ रहे हैं, इसलिए वो उनको दिखाने के लिए कुछ न कुछ काम करते रहें लेकिन गांधी जी ने ऐसा करने से साफ इन्कार कर दिया और कहा, ''इससे तो बेहतर होगा कि मुझे ऐसे स्थान पर काम करने के लिए भेजा जाए, जहां काम इतना अधिक काम हो कि उसे समय से पहले पूरा किया ही न जा सके।''

एक बार गांधी जी चम्पारण से बतिया रेलगाड़ी में सफर कर रहे थे। गाड़ी में अधिक भीड़ न होने के कारण वे तीसरे दर्जे के डिब्बे में जाकर एक बर्थ पर लेट गए। अगले स्टेशन पर जब रेलगाड़ी रूकी तो एक किसान उस डिब्बे में चढ़ा। उसने बर्थ पर लेटे हुए गांधी जी को अपशब्द बोलते हुए कहा, ''यहां से खड़े हो जाओ। बर्थ पर ऐसे पसरे पड़े हो, जैसे यह रेलगाड़ी तुम्हारे बाप की है।'' किसान को बिना कुछ कहे गांधी जी चुपचाप उठकर एक ओर बैठ गए। तभी किसान बर्थ पर आराम से बैठते हुए मस्ती में गाने लगा, ''धन-धन गांधी जी महाराज! दु:खियों का दु:ख मिटाने वाले गांधी जी ...।''

दिलचस्प बात यह थी कि वह किसान कहीं और नहीं बल्कि बतिया में गांधी जी के दर्शनों के लिए ही जा रहा था लेकिन इससे पहले उसने गांधी जी को कभी देखा नहीं था, इसलिए रेलगाड़ी में उन्हें पहचान नहीं सका। बतिया पहुंचने पर स्टेशन पर जब हजारों लोगों की भीड़ ने गांधी जी का स्वागत किया, तब उस किसान को वास्तविकता का अहसास हुआ और शर्म के मारे उसकी नजरें झुक गई। वह गांधी जी के चरणों में गिरकर उनसे क्षमायाचना करने लगा। गांधी जी ने उसे उठाकर प्रेमपूर्वक अपने गले से लगा लिया।

ऐसी ही एक घटना दक्षिण अफ्रीका की है। एक प्रसिद्ध भारतीय व्यापारी रूस्तम जी गांधी जी के मुवक्किल और निकटतम सहयोगी भी थे। वे अपने सभी कार्य अक्सर गांधी जी की सलाह के अनुसार ही किया करते थे। उस दौरान कलकत्ता और बम्बई से उनका काफी सामान आता था, जिस पर वे प्राय: चुंगी चुराया करते थे। उन्होंने यह बात सदैव गांधी जी से छिपाकर रखी। एक बार चुंगी अधिकारियों द्वारा रूस्तम जी की यह चोरी पकड़ ली गई और उनके जेल जाने की नौबत आ गई। वे दौड़े-दौड़े गांधी जी के पास पहुंचे और उन्हें पूरा वृतांत सुना डाला। गांधी जी ने उनकी पूरी बात गौर से सुनने के बाद उन्हें उनके अपराध के लिए कड़ी फटकार लगाई और सलाह दी कि तुम सीधे चुंगी अधिकारियों के पास जाकर अपना अपराध स्वयं स्वीकार कर लो, फिर भले ही इससे तुम्हें जेल की सजा ही क्यों न हो जाए।

गांधी जी की सलाह मानकर रूस्तम जी उसी समय चुंगी अधिकारियों के पास पहुंचे और अपना अपराध स्वीकारते हुए भविष्य में फिर कभी ऐसा अपराध नहीं करने का वचन दिया। चुंगी अधिकारी उनकी स्पष्टवादिता से काफी प्रसन्न हुए और उन्होंने उन पर मुकद्दमा चलाने का विचार त्यागकर उनसे चुंगी की बकाया राशि से दोगुनी राशि वसूलकर उन्हें छोड़ दिया। ऐसा था गांधी जी का बातों का लोगों के दिलोदिमाग पर जादुई असर।

ऐसे थे लाल बहादुर शास्त्री

वर्ष 1964 में प्रधानमंत्री बनने से पहले लाल बहादुर शास्त्री विदेश मंत्री, गृहमंत्री और रेल मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद संभाल चुके थे। ईमानदार छवि और सादगीपूर्ण जीवन जीने वाले लाल बहादुर शास्त्री नैतिकता की मिसाल थे। जब शास्त्री जी प्रधानमंत्री बने, तब उन्हें सरकारी आवास के साथ इंपाला शेवरले कार भी मिली थी लेकिन उसका उपयोग वे बेहद कम किया करते थे। किसी राजकीय अतिथि के आने पर ही वह गाड़ी निकाली जाती थी। एक बार शास्त्री जी के बेटे सुनील शास्त्री किसी निजी कार्य के लिए यही सरकारी कार उनसे बगैर पूछे ले गए और अपना काम पूरा करने के पश्चात् कार चुपचाप लाकर खड़ी कर दी। जब शास्त्री जी को इस बात का पता चला तो उन्होंने ड्राइवर को बुलाकर पूछा कि गाड़ी कितने किलोमीटर चली? ड्राइवर ने बताया कि गाड़ी कुल 14 किलोमीटर चली है। उसी क्षण शास्त्री जी ने उसे निर्देश दिया कि रिकॉर्ड में लिख दो, 'चौदह किलोमीटर प्राइवेट यूज'। उसके बाद उन्होंने पत्नी ललिता को बुलाकर निर्देश दिया कि निजी कार्य के लिए गाड़ी का इस्तेमाल करने के लिए वह सात पैसे प्रति किलोमीटर की दर से सरकारी कोष में पैसे जमा करवा दें।

प्रधानमंत्री बनने के बाद शास्त्री जी पहली बार अपने घर काशी आ रहे थे, तब पुलिस-प्रशासन उनके स्वागत के लिए चार महीने पहले से ही तैयारियों में जुट गया था। चूंकि उनके घर तक जाने वाली गलियां काफी संकरी थी, जिसके चलते उनकी गाड़ी का वहां तक पहुंचना संभव नहीं था, इसलिए प्रशासन द्वारा वहां तक रास्ता बनाने के लिए गलियों को चौड़ा करने का निर्णय लिया गया। शास्त्री जी को यह पता चला तो उन्होंने तुरंत संदेश भेजा कि गली को चौड़ा करने के लिए कोई भी मकान तोड़ा न जाए, मैं पैदल ही घर जाऊंगा।

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 1940 के दशक में लाला लाजपत राय की संस्था 'सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसायटी' द्वारा गरीब पृष्ठभूमि वाले स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को जीवनयापन हेतु आर्थिक मदद दी जाया करती थी। उसी समय की बात है, जब लाल बहादुर शास्त्री जेल में थे। उन्होंने उस दौरान जेल से ही अपनी पत्नी ललिता को एक पत्र लिखकर पूछा कि उन्हें संस्था से पैसे समय पर मिल रहे हैं या नहीं और क्या इतनी राशि परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त है? पत्नी ने उत्तर लिखा कि उन्हें प्रतिमाह पचास रुपये मिलते हैं, जिसमें से करीब चालीस रुपये ही खर्च हो पाते हैं, शेष राशि वह बचा लेती हैं। पत्नी का यह जवाब मिलने के बाद शास्त्री जी ने संस्था को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने धन्यवाद देते हुए कहा कि अगली बार से उनके परिवार को केवल चालीस रुपये ही भेजे जाएं और बचे हुए दस रुपये से किसी और जरूरतमंद की सहायता कर दी जाए।

रेलमंत्री रहते हुए शास्त्री जी एक बार रेल के ए.सी. कोच में सफर कर रहे थे। उस दौरान वे यात्रियों की समस्या जानने के लिए जनरल बोगी में चले गए। वहां उन्होंने अनुभव किया कि यात्रियों को कितनी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इससे वे काफी नाराज हुए और उन्होंने जनरल डिब्बे के यात्रियों को भी सुविधाएं देने का निर्णय लिया। रेल के जनरल डिब्बों में पहली बार पंखा लगवाते हुए रेलों में यात्रियों को खानपान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पैंट्री की सुविधा भी उन्होंने शुरू करवाई। 2 अक्तूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में जन्मे भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की आज हम जयंती मना रहे है। उनके बाद कई प्रधानमंत्रियों ने देश की बागडोर संभाली लेकिन उनके जितना सादगी वाला कोई भी दूसरा प्रधानमंत्री देखने को नहीं मिला। सही मायनों में शास्त्री जी को उनकी सादगी, कुशल नेतृत्व और जनकल्याणकारी विचारों के लिए ही स्मरण किया जाता है और सदैव किया भी जाता रहेगा। उनके पद्चिन्हों पर चलने का संकल्प लेना ही सच्चे अर्थों में उन्हें हमारी श्रद्धांजलि होगी।

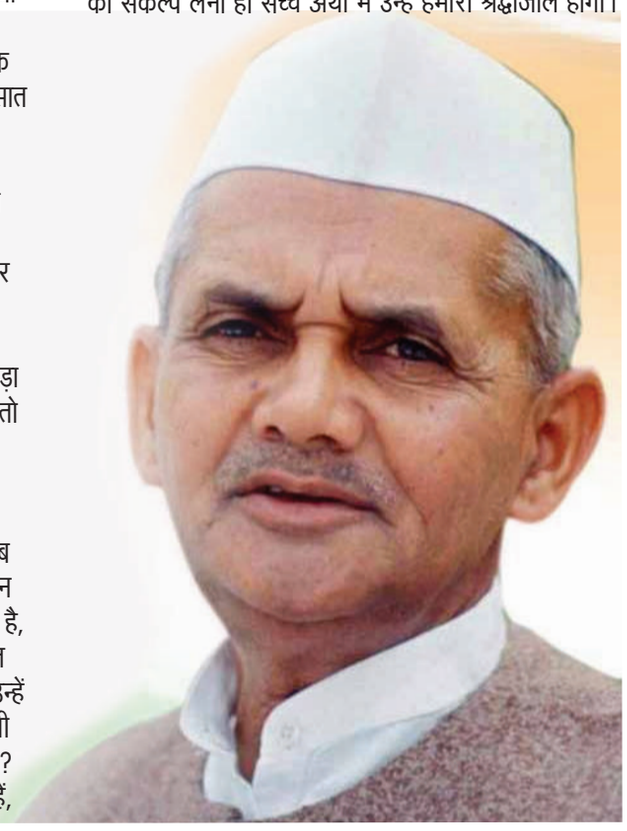

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

जम्मू में एनसी यूथ विंग की बैठक, चुनावों को लेकर रणनीति पर जोर

जम्मू, 1 अक्टूबर (हि.स.)। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) यूथ विंग की एक अहम बैठक बुधवार को शेर-ए-कश्मीर भवन जम्मू में आयोजित हुई, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के युवा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष तेजिंदर पाल सिंह-अमन ने की। बैठक में आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए युवा कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभाने पर बल दिया गया। अमन ने कहा कि युवाओं को लोगों तक पहुंच बनाकर उन नीतियों और योजनाओं की जानकारी देनी चाहिए, जिन्हें पूर्व सरकारों के समय लागू किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं की भागीदारी चुनावी प्रक्रिया को मजबूती देने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

अपने संबोधन में अमन ने पिछली सरकार के दौरान आए बाढ़ और भूस्खलन जैसी आपदाओं का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे समय में जनता को सहारा देना हर सरकार की जिम्मेदारी होती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार के कई नेता कठिन परिस्थितियों में जम्मू क्षेत्र के साथ खरे नहीं उतरे। बैठक में जम्मू यूथ एनसी जिला अध्यक्ष साहिल केर्नी, जम्मू ग्रामीण ए अध्यक्ष राकेश कुमार (फूलवान), जिला सचिव और अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। प्रांतीय सचिव नितीश गोस्वामी ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे जमीनी स्तर पर जाकर लोगों की समस्याओं को सीधे सुने और उनके समाधान में योगदान दें।

बैठक के अंत में अमन ने शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के जिला अध्यक्षों से कहा कि जनता, विशेषकर युवाओं से संवाद के लिए समर्पित जिला स्तरीय इकाइयां बनाई जाएं।

संभागीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

डोडा, 1 अक्टूबर। युवा सेवा एवं खेल विभाग (वाईएसएस) ने आज इंडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम डोडा में अंडर-17 बालक वर्ग के लिए अंतर-जिला संभाग स्तरीय कबड्डी टूर्नामेंट के शुभारंभ के अवसर पर एक भव्य उद्घाटन समारोह का आयोजन किया।

यह आयोजन महानिदेशक वाईएसएस जम्मू-कश्मीर अनुराधा गुप्ता के निर्देशन में (संयुक्त निदेशक वाईएसएस जम्मू विनाक्षी कौल के मार्गदर्शन और जिला युवा सेवा एवं खेल अधिकारी (डीवाईएसएसओ) किश्तवाड़ जाफर हैदर शेख की देखरेख में) आयोजित किया जा रहा है।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए जाफर हैदर शेख ने शोभा बढ़ाई।

अपने संबोधन में, उन्होंने युवा एथलीटों के खेल कौशल की सराहना की और नवोदित प्रतिभाओं को संभागीय स्तर पर अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करने में विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आगे विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह के टूर्नामेंट न केवल स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करते हैं बल्कि युवाओं में अनुशासन और समग्र विकास भी पैदा करते हैं।

उद्घाटन के दिन उच्च-वोल्टेज कबड्डी मुकाबले हुए, जिसमें विभिन्न जिलों की टीमों ने जुनून और दृढ़ संकल्प के साथ प्रतिस्पर्धा की।

इन मैचों ने इंडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम डोडा के अंदर एक ऊर्जावान और जीवंत माहौल बनाया, जिसने एक एक्शन से भरपूर खेल आयोजन का माहौल तैयार किया। यह टूर्नामेंट युवा एथलीटों को प्रेरित करने और पूरे क्षेत्र में खेल कौशल, टीम वर्क और एकता की संस्कृति को बढ़ावा देने का वादा करता है।

बसोहली महोत्सव-पारंपरिक खेलों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाया गया

कठुआ, 01 अक्टूबर (हि.स.)। जिला कठुआ की पहाड़ी तहसील बसरेहली में जारी बसोहली महोत्सव बड़े उत्साह के साथ शुरू हुआ, जिसका उद्घाटन एसीबी के निदेशक शक्ति पाठक और अध्ययन केंद्र जम्मू-कश्मीर के निदेशक आशुतोष भटनागर ने किया। यह महोत्सव युवा सेवा एवं खेल निदेशक जम्मू और जिला अधिकारी सुनील सिंह संब्याल के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है।इस अवसर पर क्षेत्रीय शारीरिक शिक्षा अधिकारी तारा सिंह और उनके स्टाफ ने भी अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराई, जिन्होंने समारोह की सफलता सुनिश्चित करने के लिए अपना पूरा सहयोग दिया। अंतिम दिन कबड्डी, संथोलिया और रस्साकशी जैसे पारंपरिक खेलों के माध्यम से क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाया गया। कुल 64 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी खेल भावना और उत्साह का प्रदर्शन किया। अंतिम मैचों के परिणाम में कबड्डी में एमएचएसएस बसोहली बनाम जेएनवी स्कूल बसोहली जेएनवी बसोहली ने 29 अंकों से मैच जीता। इसी प्रकार संथोलिया में वीर सावरकर उच्च माध्यमिक विद्यालय बसोहली बनाम जेएनवी स्कूल बसोहली में जेएनवी स्कूल बसोहली ने 34 अंकों से मैच जीता। इसी प्रकार रस्साकस्सी में रामिस्ट ट्विंकलिंग हाई स्कूल बसोहली बनाम एमएचएसएस बसोहली में रामिस्ट ट्विंकलिंग हाई स्कूल बसोहली ने 3 सेट से मैच जीता।

सीयूजे में व्याख्यान का आयोजन- महाराजा हरी सिंह के भारत में विलय के निर्णय का गहन विश्लेषण

जम्मू, 1 अक्टूबर (हि.स.)। केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू (सीयूजे) के राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग (एनएसएस) ने कुलपति प्रो. संजीव जैन के संरक्षण में एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। विषय था - हरी सिंह के विलय निर्णय की भूमिका और भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा पर उसका प्रभाव। व्याख्यान प्रो. (सेवानिवृत्त) हरबंस सिंह संब्याल, वरिष्ठ विद्वान और प्रख्यात इतिहासकार ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष डॉ. नीता रानी के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने ऐतिहासिक निर्णयों को समझने के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके बाद डॉ. आर. सुधाकर ने मुख्य वक्ता का परिचय देते हुए उनके शैक्षणिक योगदान और पत्रकारिता लेखन की चर्चा की।

अपने व्याख्यान में प्रो. संब्याल ने 1947 में महाराजा हरी सिंह के भारत में विलय के निर्णय का गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि यह कदम न केवल राज्य के गठन की नींव था बल्कि भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का महत्वपूर्ण आधार भी बना। उन्होंने पाकिस्तान द्वारा शीत युद्ध और उसके बाद की परिस्थितियों में अपनाए गए भू-राजनीतिक रुख की भी चर्चा की और कहा कि यह निर्णय आज भी सीमा-पार चुनौतियों और क्षेत्रीय स्थिरता के संदर्भ में प्रासंगिक है।

प्रो. एम. वेंकटारमन ने अपने विशेष संबोधन में इस ऐतिहासिक निर्णय को भारत की क्षेत्रीय अखंडता और सुरक्षा रणनीति का मूल आधार बताया। अंत में प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित हुआ, जिसमें शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की।

बनिहाल में गर्भवती महिला से डॉक्टर की छेड़छाड़

जम्मू, 1 अक्टूबर (हि.स.)। बनिहाल के सरकारी उप-जिला अस्पताल में एक गर्भवती महिला से डॉक्टर द्वारा छेड़छाड़ का मामला सामने आया है।

हलिमैदान नागाम बनिहाल निवासी नादिया बानू ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह रूटीन चेकअप के लिए अस्पताल गई थीं, जहाँ ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर गिर्धारी लाल मनहास ने उनके साथ अशोभनीय हरकत की।

शिकायत के आधार पर बनिहाल थाना पुलिस ने एफआईआर नंबर 105/2025 धारा 74 के तहत मामला दर्ज कर आरोपी डॉक्टर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आगे की जांच जारी है।

रामबन पुलिस ने कहा है कि महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

84 बटालियन सीआरपीएफ ने रामबन अस्पताल में लगाया रक्तदान शिविर

जम्मू, 1 अक्टूबर (हि.स.)। 84 बटालियन सीआरपीएफ की पहल पर जिला अस्पताल रामबन में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान कमांडेंट एन. रणबीर सिंह की देखरेख में बटालियन के अधिकारियों और जवानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्तदान किया।

सीआरपीएफ की यह सराहनीय पहल न सिर्फ कानून-व्यवस्था बनाए रखने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है बल्कि मानवता की सेवा और अनमोल जिंदगियां बचाने के उनके जज्बे को भी उजागर करती है।

तरिगामी ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर सुनी लोगों की समस्याएं

जम्मू, 1 अक्टूबर (हि.स.)। कुलगाम के विधायक मोहम्मद यूसुफ तरिगामी ने आज जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया और स्थानीय प्रतिनिधिमंडलों से उनकी समस्याओं और शिकायतों को सुना।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि लद्दाख के लिए पहले भी कई वादे किए गए थे, लेकिन वहां वर्तमान कर्फ्यू की स्थिति हम सभी के लिए एक सबक है। तरिगामी ने जोर देकर कहा कि हमें अपने खोए हुए अधिकारों, शिकायतों और राज्य बहाली के लिए एकजुट होकर लड़ना होगा।

उन्होंने मुख्यमंत्री से किसानों को हुए नुकसान का तुरंत आकलन करने और उन्हें उचित मुआवजा सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने क्षेत्र में सेब की उपज को सुरक्षित रखने के लिए ठंडा भंडारण सुविधाओं की तत्काल आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।

उपायुक्त राजौरी ने आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत ग्राम सभाओं की तैयारियों की समीक्षा की

राजौरी 01 अक्तूबर। राजौरी उपायुक्त अभिषेक शर्मा ने एक वर्चुअल बैठक बुलाई जिसमें कल जिले भर में आयोजित होने वाली ग्राम सभाओं की तैयारियों की समीक्षा की गई। इस बैठक में आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत 104 आदिवासी गाँवों में विज़न दस्तावेज़ तैयार किए जाएँगे और सभी पंचायतों में मनरेगा योजनाओं को अंतिम रूप दिया जाएगा।

उपायुक्त ने अधिकतम सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक पंचायत में ग्राम सभा कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि जमीनी स्तर की योजना को मज़बूत करने के लिए चौकीदार और नंबरदार भी अनिवार्य रूप से ग्राम सभाओं में उपस्थित रहेंगे।

उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि मनरेगा योजनाओं को निर्धारित मानदंडों और दिशानिर्देशों के अनुसार सख्ती से औपचारिक रूप दिया जाना चाहिए, और स्थानीय विकासात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समुदाय-उन्मुख कार्यों पर अधिकतम ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

इसके अलावा, उपायुक्त ने अधिकारियों को निविदा कार्यों की आवंटन प्रक्रिया में तेजी लाने और जिले भर में चल रही पूंजीगत व्यय परियोजनाओं का समय पर व्यय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि विकास की गति बनी रहे।

बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त, सहायक आयुक्त, मुख्य परियोजना अधिकारी, सहायक आयुक्त, सहायक आयुक्त, तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी और अन्य जिला एवं क्षेत्रीय अधिकारी उपस्थित थे।

मनरेगा योजनाओं के निर्माण और पूंजीगत व्यय कार्यों में तेजी लाने पर ज़ोर दिया

प्रदूषण नियंत्रण विभाग ने पॉलीथीन पर जांच अभियान चलाया

जम्मू, 1 अक्टूबर (हि.स.)। शोपियां, प्रदूषण नियंत्रण विभाग ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बाजार निरीक्षण अभियान चलाया और सिंगल-यूज़ प्लास्टिक पर रोक को लागू किया। निरीक्षण टीमों ने कई बाजारों का दौरा किया जहाँ दुकानदारों और विक्रेताओं से बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित पॉलीथीन बैग जब्त कर उन्हें नष्ट कर दिया गया। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पॉलीथीन का उपयोग पर्यावरण के लिए गंभीर खतरे पैदा करता है और इसके प्रसार को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। अभियान के दौरान व्यापारियों और उपभोक्ताओं को मिट्टी, जल और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर पॉलीथीन के हानिकारक प्रभावों के बारे में भी जागरूक किया गया।अधिकारियों ने उल्लंघनकर्ताओं को कड़ा चेतावनी दी और स्पष्ट किया कि किसी भी दोहराए गए अपराध पर कानून के तहत भारी जुर्माना लगाया जाएगा।

श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह आयोजित

जम्मू, 1 अक्टूबर (हि.स.)। कटरा स्थित श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) में बड़े उत्साह और जोश के साथ हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पखवाड़े के दौरान विश्वविद्यालय में विभिन्न साहित्यिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन कर हिंदी भाषा के महत्व को रेखांकित किया गया। समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रगति कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने हिंदी को सांस्कृतिक विविधता को जोड़ने वाली भाषा बताते हुए अनुसंधान, प्रशासन और दैनिक संवाद में इसके व्यापक उपयोग पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हिंदी का संवर्धन भारतीय ज्ञान परंपरा और समकालीन आकांक्षाओं से गहराई से जुड़ा हुआ है।

हिंदी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष और मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन, डॉ. अमिताभ विक्रम द्विवेदी ने भी सभा को संबोधित करते हुए भारतीय भाषाओं के प्रति गौरव की भावना विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। वहीं, हिंदी प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ. अनुराग कुमार ने पखवाड़े के दौरान आयोजित गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। इनमें निबंध लेखन, कविता पाठ, वाद-विवाद, भाषण, नारा लेखन और क्विज जैसी प्रतियोगिताएँ शामिल थीं।

कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को कुलपति द्वारा प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए। छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने हिंदी भाषा और साहित्य की समृद्ध परंपरा को जीवंत किया।

सचिव आरडीडी ने एसएएससीआई, यूटी कैपेक्स, एसबीएम-जी की प्रगति की समीक्षा की

परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के लिए सख्त निर्देश जारी किए

जम्मू, 1 अक्टूबर। ग्रामीण विकास विभाग (आरडीडी) एवं पंचायती राज विभाग के सचिव मोहम्मद एजाज असद ने आज यूटी-कैपेक्स, पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना (एसएएससीआई), एसएनए-स्पर्श और स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत भौतिक और वित्तीय प्रगति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में ग्रामीण स्वच्छता महानिदेशक अनु मल्होत्रा, एनआरएलएम की मिशन निदेशक शुभ्रा शर्मा, पंचायती राज निदेशक शाम लाल, आरडीडी कश्मीर के निदेशक शब्बीर हुसैन भट, आरडीडी जम्मू की निदेशक शहनाज अख्तर, वित्त निदेशक उमर खान, संयुक्त निदेशक योजना कमल कुमार शर्मा, अतिरिक्त सचिव वसीम राजा के अलावा सभी एसीडी, एसीपी, कार्यकारी अभियंता और विभिन्न जिलों के बीडीओ उपस्थित थे।

एसएएससीआई की समीक्षा के दौरान, यह पता चला कि आरडीडी परियोजनाओं के लिए 21.10 करोड़ रुपये की ऋण सहायता स्वीकृत की गई है।

सचिव ने वित्त विभाग के निर्देशों पर प्रकाश डाला, जिनमें दिसंबर तक स्वीकृत सहायता का 75ब्र उपयोग और पुनर्आवंटन के लिए अव्यवहार्य परियोजनाओं को वापस करना अनिवार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि विभागों को वित्तीय वर्ष के भीतर कम से कम 2 करोड़ रुपये व्यय करने की क्षमता प्रदर्शित करनी होगी, अन्यथा धनराशि वापस ली जा सकती है।

यूटी कैपेक्स कार्यों की समीक्षा करते हुए, सचिव ने निर्देश दिया कि कार्यों के निष्पादन की गति को और तेज़ किया जाए।

एजाज असद ने संबंधित कार्यकारी अभियंताओं को निर्माण स्थलों का व्यक्तिगत रूप से दौरा करने, प्रत्येक भवन और संपत्ति का निरीक्षण करने और निर्धारित समय-सीमा के भीतर उनका पूरा होना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

सचिव ने इस बात पर ज़ोर दिया कि कश्मीर संभाग में, जहाँ सर्दियों के दौरान विकास गतिविधियाँ धीमी हो जाती हैं, समय पर लक्ष्य पूरा करने के लिए कार्य की गति दोगुनी की जानी चाहिए।

विधायक जसरोटा ने डिंगा अंब में लगाया जनता

कठुआ, 01 अक्टूबर (हि.स.)। जसरोटा विधायक राजीव जसरोटिया की अध्यक्षता में बुधवार को डिंगा अंब में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र की जनता ने हाल ही में आई बाढ़ से हुए नुकसान वाले क्षेत्रों में भूस्खलन की मरम्मत और बाढ़ सुरक्षा से संबंधित मुद्दे भी उठाए।

इस अवसर पर पूर्व पंचायती राज अधिकारियों, गणमान्य नागरिकों और महिलाओं सहित क्षेत्र की जनता ने गलमन, डाबी से बबीती सड़क, बलौते की ओर जाने वाली सड़क, आरडीडी द्वारा ग्रामीण मार्गों की बहाली, बडौली, मंगलूर पश्चिम और अन्य कंडी क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति से संबंधित विभिन्न शिकायतें उठाईं। जनता ने हाल ही में आई बाढ़ से क्षतिग्रस्त निजी संपत्ति के मुआवजे की भी मांग की। पूर्व सरपंचों ने दिंगामब उपकेंद्र में एमबीबीएस डॉक्टर की नियुक्ति की मांग की।

विधायक जसरोटा ने जनता को आश्वासन दिया कि वे प्रत्येक मुद्दे को जिला प्रशासन के समक्ष उठाएंगे और बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के जीर्णोद्धार के लिए सीडीएफ से धनराशि भी उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने क्षेत्रीय अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आपूर्ति की शीघ्र बहाली के लिए प्रस्ताव तैयार करने की भी सलाह दी ताकि जनता को और अधिक परेशानी न हो। इस अवसर पर एसडीएम हीरानगर फुलैल सिंह ने विधायक और आम जनता को आश्वासन दिया कि मुद्दों को समय सीमा के भीतर हल किया जाएगा और उन्होंने क्षेत्रीय अधिकारियों को जनता की सभी मांगों की जांच करने का भी निर्देश दिया ताकि उन्हें उपमंडल स्तर और जिला स्तर पर संबोधित किया जा सके। क्षेत्र की जनता ने हाल ही में आई बाढ़ के दौरान त्वरित मदद, राहत और जीर्णोद्धार के लिए विधायक और उपमंडल प्रशासन को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में एसडीपीओ बॉर्डर धीरज कटोच, बीडीओ डिंगांब अखिल बाहु, एईई जल शक्ति हीरानगर, एईई जेपीडीसीएल हीरानगर, नायब तहसीलदार डिंगांब, एसएचओ हीरानगर, एई आरएंडबी डिंगांब, ओआईसी बीआरओ, संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जम्मू परेड ग्राउंड में धूमधाम से मनाया जाएगा दशहरा

जम्मू, 1 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विधायक यूधवीर सेठी ने प्रेस वार्ता कर घोषणा की कि इस वर्ष का दशहरा उत्सव परेड ग्राउंड में भव्य रूप से मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं ताकि यह पर्व यादगार और उत्साहपूर्ण बन सके। उन्होंने जानकारी दी कि पारंपरिक शोभायात्रा दीवान मंदिर से प्रारंभ होगी और शहर के मुख्य बाजारों से होते हुए परेड ग्राउंड पहुंचेगी। शोभायात्रा में सजे-धजे रथों पर भगवान राम, लक्ष्मण और हनुमान की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

सेठी ने बताया कि स्थानीय कलाकार भगवान राम, लक्ष्मण और हनुमान की भूमिका निभाते हुए परेड ग्राउंड में रावण, कुम्भकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन करेंगे। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म केवल एक धर्म ही नहीं बल्कि जीवन जीने की पद्धति है, जो सभी प्राणियों के प्रति सम्मान, सत्य की खोज और करुणा का मार्ग दिखाता है। उन्होंने आगे कहा कि दशहरा हमें यह सिखाता है कि चाहे बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न लगे, अंततः सत्य और धर्म की ही विजय होती है। यही शाश्वत संदेश हमें नई पीढ़ी तक पहुंचाना है।

उन्होंने बताया कि सनातन धर्म नाटक समाज लगातार रामलीला और दशहरा उत्सव को और भव्य बनाने के लिए मेहनत कर रहा है। यह पर्व अच्छाई की बुराई पर विजय का प्रतीक है। विधायक ने जम्मू-कश्मीर की जनता को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में लोग शोभायात्रा में भाग लेकर इसे सफल बनाएं। इस अवसर पर सनातन धर्म नाटक समाज के अध्यक्ष अनिल मसूम, महासचिव कुलभूषण शर्मा और अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। अनिल मसूम ने कहा कि यह पर्व न केवल समाज को जोड़ता है बल्कि नई पीढ़ी को सनातन धर्म के मूल्यों और भगवान राम की विरासत से भी परिचित कराता है।

उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम पर सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जम्मू, 1 अक्टूबर (हि.स.)। सरकारी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय (जीजीएचएसएस) मीरां साहिब में उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत एक सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन सीईओ जम्मू अजीत शर्मा के निर्देशन और जेडईओ मीरां साहिब, स्मिता वर्थना शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय निवासियों को उल्लास योजना और उसके लाभों के बारे में जागरूक करना था। प्रतिभागियों को आगामी परीक्षा के बारे में भी जानकारी दी गई, जो 12 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम के माध्यम से समुदाय को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने और जमीनी स्तर पर सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया गया।

इस अवसर पर जीजीएचएसएस

मीरां साहिब के उपप्रधानाचार्य राकेश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने सामुदायिक जागरूकता और सरकारी योजनाओं में भागीदारी को समाज के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक बताया। नोडल अधिकारियों और शिक्षकों ने उपस्थित नागरिकों को योजनाओं के महत्व और उनमें भागीदारी से होने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि सामुदायिक सहयोग और सक्रिय भागीदारी के बिना किसी भी सरकारी योजना का सफल क्रियान्वयन संभव नहीं है।

यह सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम सफल रहा और इसने लोगों को न केवल उल्लास योजना बल्कि अन्य सरकारी पहलों में भी जुड़ने और सहयोग करने के लिए प्रेरित किया। ऐसे प्रयास नागरिकों को सशक्त बनाने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

संपादकीय

अतिक्रमण हटाना एक कठिन कार्य

जल निकायों के किनारे अतिक्रमण हटाने के संबंध में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा दिए गए निर्देशों पर विचार करने से निस्संदेह इस कठिनाई से जुड़ी कई समस्याओं का समाधान हो जाएगा, लेकिन वास्तविकता यह है कि पिछली और वर्तमान सरकारें शहर में फुटपाथों और फुटपाथों पर स्थानीय दुकानदारों द्वारा किए गए अस्थायी अतिक्रमणों को हटाने के लिए भी संघर्ष कर रही हैं, क्योंकि नगर निगम की टीमें पिछले कई वर्षों से लगातार अतिक्रमण विरोधी अभियान चला रही हैं, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। ऐसी परिस्थितियों में संबंधित अधिकारियों से जल निकायों के किनारे सभी अतिक्रमणों को हटाने के बड़े काम की उम्मीद करना दिवास्वप्न से ज़्यादा कुछ नहीं है। हाल ही में हुई भारी बारिश में, विशेष रूप से जम्मू क्षेत्र में, विभिन्न जल निकायों के निकटवर्ती क्षेत्रों में अभूतपूर्व तबाही देखी गई है, जिससे सत्ता में बैठे लोगों के लिए यह आवश्यक हो गया है कि वे भविष्य में फिर से मौसम खराब होने की स्थिति में नुकसान को कम करने के लिए पर्याप्त कदम उठाएँ। जल निकायों के पास कोई अतिक्रमण नहीं होगा, ऐसी स्थिति की कल्पना करने से पहले जम्मू-कश्मीर में अतिक्रमण की पुरानी समस्या को ध्यान में रखना चाहिए। राज्य की भूमि को पुनः प्राप्त करना जम्मू-कश्मीर में संबंधित अधिकारियों के लिए एक कठिन कार्य है क्योंकि इसे पुनः प्राप्त करने के लिए कई अदालती निर्देशों के बावजूद, इस दिशा में ज्यादा कुछ हासिल नहीं हुआ है। हाल के दिनों में सरकार के बयान के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में अतिक्रमणकारियों द्वारा अवैध रूप से कब्जा की गई कुल राज्य भूमि 17,00,000 कनाल से अधिक है, जिससे इस समस्या को रोकने में शीर्ष पर बैठे लोगों की लाचारी का संकेत मिलता है। ऐसी परिस्थितियों में, सार्वजनिक प्रतिक्रिया, राजनीतिक दबाव आदि जैसे कई कारकों के साथ जल निकायों के पास से अतिक्रमण हटाने से लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से बचाने के लिए इस अत्यंत आवश्यक उपाय के क्रियान्वयन की संभावना धूमिल है। यह दावा निराशावादी नहीं है, बल्कि यह यथार्थवादी और व्यावहारिक है क्योंकि जम्मू-कश्मीर के ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए, इस तरह के बदलाव की उम्मीद करना यह मानने के समान है कि कोई चाँद और तारे धरती पर ले आएगा। कुल मिलाकर, समय की मांग है कि मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक साहस और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जल निकायों को अतिक्रमण से मुक्त करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जाएं, क्योंकि इससे क्षेत्र में दोबारा बाढ़ आने की स्थिति में नुकसान को कम करने में काफी मदद मिल सकती है।

संस्कृति, शक्ति और सत्य का उत्सव है दशहरा

– योगेश कुमार गोयल

भगवान श्रीराम ने रावण पर विजय पाने के लिए इसी दिन प्रस्थान किया था

शारदीय नवरात्रों का अहम अंग बनकर प्रतिवर्ष दुर्गोत्सव को पूर्णता प्रदान करता बुराई पर अच्छाई तथा असत्य पर सत्य की जीत को परिभाषित करता यह पावन पर्व हमें मानवीय मूल्यों के संरक्षण में सर्वत्र विजयी होने का संदेश देता है। मान्यता है कि आदि शक्ति दुर्गा ने दशहरे के ही दिन महाबलशाली असुर सम्राट महिषासुर का वध किया था। जब महिषासुर के अत्याचारों से भूलोक और देवलोक त्राहि-त्राहि कर उठे थे, तब आदि शक्ति मां दुर्गा ने 9 दिनों तक महिषासुर के साथ बहुत भयंकर युद्ध किया था और दसवें दिन उसका वध करते हुए उस पर विजय हासिल की थी। इन्हीं 9 दिनों को दुर्गा पूजा (नवरात्र) के रूप में एवं शक्ति संचय के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है और महिषासुर पर आदि शक्ति मां दुर्गा की विजय वाले दसवें दिन को विजयादशमी के रूप में मनाया जाता है।

प्रतिवर्ष आश्विन शुक्ल दशमी को 'विजयादशमी' पर्व के रूप में मनाया जाता है, जिसे दशहरा भी कहा जाता है। इस वर्ष उदया तिथि के अनुसार दशहरा 2 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। समस्त भारत में दशहरा भगवान श्रीराम द्वारा लंकापति रावण के वध के रूप में अर्थात् बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में तथा आदि शक्ति दुर्गा द्वारा महाबलशाली राक्षसों महिषासुर व चण्ड-मुण्ड का वध किए जाने के रूप में मनाया जाता है।

मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने रावण पर विजय पाने के लिए इसी दिन प्रस्थान किया था। इतिहास में कई ऐसे उदाहरण हैं, जिनसे पता चलता है कि हिन्दू राजा अक्सर इसी दिन विजय के लिए प्रस्थान किया करते थे। इसी कारण इस पर्व को विजय के लिए प्रस्थान का दिन भी कहा जाता है और इसे क्षत्रियों का त्यौहार भी माना गया है। इस दिन अपराजिता देवी की पूजा भी होती है। मान्यता है कि सर्वप्रथम श्रीराम ने समुद्र तट पर शारदीय नवरात्रि पूजा का प्रारंभ किया था और तत्पश्चात् दसवें दिन लंका विजय के लिए प्रस्थान करते हुए विजय प्राप्त की थी। तभी से दशहरे को असत्य पर सत्य तथा अधर्म पर धर्म की जीत के पर्व के रूप में मनाया जा रहा है।

दो शब्दों दश तथा हरा से मिलकर बना है दशहरा। दश का अर्थ है दस तथा हरा का अर्थ है ले जाना। इस प्रकार दशहरे का मूल अर्थ है दस अवगुणों या बुराइयों को ले जाना यानी इस अवसर पर अपने भीतर के दस अवगुणों को खत्म करने का संकल्प लेना। दरअसल, हर इंसान के भीतर रावण रूपी अनेक बुराईयां मौजूद होती हैं और सभी पर एक बार में विजय पाना संभव भी नहीं है, इसलिए दशहरे पर ऐसी ही कुछ बुराईयों का नाश करने का संकल्प लेकर इस पर्व की सार्थकता सुनिश्चित की जा सकती है। दशहरे को रावण पर राम की विजय अर्थात् आसुरी शक्तियों पर सात्विक शक्तियों की विजय तथा अन्याय पर न्याय की, बुराई पर अच्छाई की, असत्य पर सत्य की, दानवता पर मानवता की, अधर्म पर धर्म की, पाप पर पुण्य की और घृणा पर प्रेम की जीत के रूप में मनाया जाता है। दशहरे का धार्मिक के साथ सांस्कृतिक महत्व भी कम नहीं है। यह पर्व देश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय एकता का पर्व है। सही अर्थों में यह पर्व अपने भीतर छिपे दुर्गुणों रूपी रावण को मारकर तमाम अवगुणों पर विजय प्राप्त करने का शुभकाल है।

दशहरे के उत्सव का संबंध नवरात्रों से जोड़कर देखा जाता रहा है। शक्ति की उपायना का यह पर्व सनातन काल से ही शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक नौ तिथि, नौ नक्षत्र और नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ मनाया जाता है। माना जाता है कि नवरात्रों में देवी की शक्ति से दसों दिशाएं प्रभावित होती हैं और देवी दुर्गा की कृपा से ही दसों दिशाओं पर विजय प्राप्त होती है, इसलिए भी नवरात्रों के बाद आने वाली दशमी को 'विजयादशमी' कहा जाता है।

नवरात्रों के नौ दिनों में हम देवी के नौ रूपों की पूजा करते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हमें यह भी समझना चाहिए कि हमारे समाज में सभी नारियां दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी, पार्वती या काली का ही रूप हैं, इसलिए इन पर्वों की सार्थकता सही मायनों में तभी सिद्ध हो सकती है, जब हम अपने समाज में देवी स्वरूपा नारी को उचित मान-सम्मान दें, उसे गर्भ में ही मौत की नींद सुलाने से बचाएं, शिक्षित करके उन्हें उनका हक दिलाएं, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाएं और सम्मानित जीवन जीने का अधिकार प्रदान करें।

शारदीय नवरात्रों का अहम अंग बनकर प्रतिवर्ष दुर्गोत्सव को पूर्णता प्रदान करता बुराई पर अच्छाई तथा असत्य पर सत्य की जीत को परिभाषित करता यह पावन पर्व हमें मानवीय मूल्यों के संरक्षण में सर्वत्र विजयी होने का संदेश देता है। मान्यता है कि आदि शक्ति दुर्गा ने दशहरे के ही दिन महाबलशाली असुर सम्राट महिषासुर का वध किया था। जब महिषासुर के अत्याचारों से भूलोक और देवलोक त्राहि-त्राहि कर उठे थे, तब आदि शक्ति मां दुर्गा ने 9 दिनों तक महिषासुर के साथ बहुत भयंकर युद्ध किया था और दसवें दिन उसका वध करते हुए उस पर विजय हासिल की थी। इन्हीं 9 दिनों को दुर्गा पूजा (नवरात्र) के रूप में एवं शक्ति संचय के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है और महिषासुर पर आदि शक्ति मां दुर्गा की विजय वाले दसवें दिन को विजयादशमी के रूप में मनाया जाता है।

श्राद्धों की समाप्ति वाले दिन मिट्टी के किसी बर्तन में मिट्टी में जौ बोए जाने की परम्परा बहुत से क्षेत्रों में देखने को मिलती है। दशहरे के दिन तक जौ उगकर काफी बड़े हो जाते हैं, जिन्हें 'ज्वारे' कहा जाता है। मिट्टी के जिस बर्तन में जौ बोए जाते हैं, उसे स्त्री के गर्भ का प्रतीक माना गया है और ज्वारों को उसकी संतान। दशहरे के दिन लड़कियां अपने भाईयों की पगड़ी अथवा सिर पर ज्वारे रखती हैं और भाई उन्हें कोई उपहार देते हैं। सही मायनों में इस पर्व की सार्थकता तभी सुनिश्चित हो सकती है, जब हम इस अवसर पर आत्मचिंतन करते हुए अपने भीतर की बुराईयों रूपी रावण पर ध्यान केन्द्रित करते हुए उनका विनाश करने का प्रयास करें।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

दशहरा : सत्य की जीत का सन्देश

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत विविधताओं से भरा देश है जहाँ अनेक धर्मों और संस्कृतियों के लोग साथ रहते हैं। यहां साल भर अनेक त्योहार मनाए जाते हैं जो न केवल धार्मिक महत्व रखते हैं, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक भी होते हैं। इन्हीं प्रमुख त्योहारों में से एक है दशहरा जिसे विजयादशमी के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व अच्छाई की बुराई पर जीत का प्रतीक है और इसका भारतीय संस्कृति में एक विशेष स्थान है। दशहरा का पर्व भगवान राम की रावण पर विजय के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इसे विजयादशमी कहा जाता है, जिसका अर्थ है 卐विजय प्राप्त करने वाला दसवाँ दिन卐। रामायण के अनुसार भगवान राम ने रावण का वध कर अपनी पत्नी सीता को उसके बंदीगृह से मुक्त कराया था। यह पर्व यह संदेश देता है कि चाहे बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो अंत में जीत सत्य और धर्म की ही होती है। यह त्योहार लोगों को नैतिक मूल्यों, सत्य, और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। दशहरा भारत के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। इसी दिन भगवान राम ने बुराई के प्रतीक दस सिर वाले रावण का संहार किया था तो देवताओं को हराकर स्वर्ग पर अधिकार करने वाले महिषासुर का 10 दिन तक चले भयंकर युद्ध के बाद मां दुर्गा ने वध किया था। इसीलिये इसको विजयादशमी के नाम से जाना जाता है। अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को इसका आयोजन होता है। इसे असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन लोग नया कार्य प्रारम्भ करते हैं। इस दिन शस्त्र-पूजा की जाती है। इस दिन जगह-जगह मेले लगते हैं। रामलीला का समापन होता है। रावण का विशाल पुतला बनाकर उसे जलाया जाता है। भारतीय संस्कृति वीरता की पूजक व शौर्य की उपासक है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसलिए दशहरे का उत्सव रखा गया है। भारत कृषि प्रधान देश है। जब किसान अपने खेत में फसल उगाकर अनाज घर लाता है तो उसके उल्लास और उमंग का पारावार नहीं रहता। इस प्रसन्नता के लिये वह भगवान की कृपा को मानता है और उसे प्रकट करने के लिए उनका पूजन करता है। भारतवर्ष में यह पर्व विभिन्न प्रदेशों में विभिन्न प्रकार से मनाया जाता है। बंगाल, ओडिशा और असम में यह पर्व दुर्गा पूजा के रूप में ही मनाया जाता है। यह बंगालियों, ओडिया, और असमिया लोगों का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। बंगाल में दशहरा पूरे पांच दिनों के लिए मनाया जाता है। ओडिशा और असम मे चार दिन तक त्योहार चलता है। यहां देवी दुर्गा को भव्य सुशोभित पंडालों में विराजमान करते हैं। देश के नामी कलाकारों को बुलवा कर दुर्गा की मूर्ति तैयार करवाई जाती हैं। यहां दशमी के दिन विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है और प्रसाद वितरण किया जाता है। पुरुष आपस में आलिंगन करते हैं जिसे कोलाकुली कहते हैं। स्त्रियां देवी के माथे पर सिंदूर चढ़ाती हैं व देवी को अश्रुपूरित विदाई देती हैं। इसके साथ ही वे आपस में भी सिंदूर लगाती हैं व सिंदूर से खेलती हैं। इस दिन यहां नीलकंठ पक्षी को देखना बहुत ही शुभ माना जाता है। अन्त में देवी प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए ले जाया जाता है। महाराष्ट्र में नवरात्रि के नौ दिन मां दुर्गा को समर्पित रहते हैं जबकि दसवें दिन ज्ञान की देवी सरस्वती की वंदना की जाती है। इस दिन विद्यालय जाने वाले बच्चे अपनी पढ़ाई में आशीर्वाद पाने के लिए मां सरस्वती के तांत्रिक चिह्नों की पूजा करते हैं। किसी भी चीज को प्रारंभ करने के लिए खासकर विद्या आरंभ करने के लिए यह दिन काफी शुभ माना जाता है। महाराष्ट्र के लोग इस दिन विवाह, गृह-प्रवेश एवं नये घर खरीदने का शुभ मुहूर्त समझते हैं। महाराष्ट्र में इस अवसर पर सिलंगण के नाम से सामाजिक महोत्सव के रूप में भी इसको मनाया जाता है। कर्नाटक में मैसूर का दशहरा भी पूरे भारत में प्रसिद्ध है। मैसूर में दशहरे के समय पूरे शहर की गलियों को रोशनी से सज्जित किया जाता है और हाथियों का श्रृंगार कर पूरे शहर में एक भव्य जुलूस निकाला जाता है। इस समय प्रसिद्ध मैसूर महल को दीपमालिकाओं से दुल्हन की तरह सजाया जाता है। इसके साथ शहर में लोग टार्च लाइट के संग नृत्य और संगीत की शोभायात्रा का आनंद लेते हैं। पंजाब में दशहरा नवरात्रि के नौ दिन का उपवास रखकर मनाते हैं। हिमाचल प्रदेश में कुल्लू का दशहरा बहुत प्रसिद्ध है। अन्य स्थानों की ही भांति यहां भी दस दिन अथवा एक सप्ताह पूर्व इस पर्व की तैयारी आरंभ हो जाती है। स्त्रियां और पुरुष सभी सुंदर वस्त्रों से सज्जित होकर ढोल, नगाड़े, बांसुरी आदि वाद्य यंत्रो को लेकर बाहर निकलते हैं। पहाड़ी लोग अपने ग्रामीण देवता का धूम धाम से जुलूस निकाल कर पूजन करते हैं। देवताओं की मूर्तियों को बहुत ही आकर्षक पालकी में सुंदर ढंग से सजाया जाता है। साथ ही वे अपने मुख्य देवता रघुनाथ जी की भी पूजा करते हैं। इस जुलूस में प्रशिक्षित नर्तक नटी नृत्य करते हैं। इस प्रकार जुलूस बनाकर नगर के मुख्य भागों से होते हुए नगर परिक्रमा करते हैं और कुल्लू नगर में देवता रघुनाथजी की वंदना से दशहरे के उत्सव का आरंभ करते हैं। दशमी के दिन इस उत्सव की शोभा निराली होती है। बस्तर में दशहरे के मुख्य कारण को राम की रावण पर विजय ना मानकर लोग इसे मां दंतेश्वरी की आराधना को समर्पित एक पर्व मानते हैं। दंतेश्वरी माता बस्तर अंचल के निवासियों की आराध्य देवी हैंजो दुर्गा का ही रूप हैं। यहां यह पर्व पूरे 75 दिन चलता है। यहाँ दशहरा श्रावण मास की अमावस से आश्विन मास की शुक्ल त्रयोदशी तक चलता है। बस्तर में यह समारोह लगभग 15वीं शताब्दी से शुरु हुआ था। इसका समापन अश्विन शुक्ल त्रयोदशी को ओहाड़ी पर्व से होता है। गुजरात में मिट्टी सुशोभित रंगीन घड़ा देवी का प्रतीक माना जाता है और इसको कुंवारी लड़कियां सिर पर रखकर एक लोकप्रिय नृत्य करती हैं जिसे गरबा कहा जाता है। गरबा नृत्य इस पर्व की शान है। पुरुष एवं स्त्रियां दो छोटे रंगीन डंडों को संगीत की लय पर आपस में बजाते हुए घूम-घूम कर नृत्य करते हैं। तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश एवं कर्नाटक में दशहरा नौ दिनों तक चलता है जिसमें तीन देवियां लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा की पूजा करते हैं। पहले तीन दिन धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी का पूजन होता है। अगले तीन दिन कला और विद्या की देवी सरस्वती की अर्चना की जाती है और अंतिम दिन देवी शक्ति की देवी दुर्गा की स्तुति की जाती है। पूजन स्थल को अच्छी तरह फूलों और दीपकों से सजाया जाता है। लोग एक दूसरे को मिठाइयां व कपड़े देते हैं। कश्मीर के अल्पसंख्यक हिन्दू नवरात्रि के पर्व को श्रद्धा से मनाते हैं। परिवार के सारे वयस्क सदस्य नौ दिनों तक उपवास करते हैं। अत्यंत पुरानी परम्परा के अनुसार नौ दिनों तक लोग माता खीर भवानी के दर्शन करने के लिए जाते हैं।

टैरिफ तलवार से अब सिनेमा पर वार, विदेशी फिल्मों पर 100% टैरिफ से बॉलीवुड होगा प्रभावित

ट्रंप का राजनीतिक आधार अमेरिकी मध्यवर्ग और घरेलू उद्योग जगत है, जो मानता है कि वैश्वीकरण ने उनकी नौकरियाँ छीन लीं। यही सोच फिल्म उद्योग में भी दिखाई देती है। अमेरिकी स्टूडियो लंबे समय से VFX और एनीमेशन का बड़ा हिस्सा भारत जैसे देशों में आउटसोर्स करते रहे हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ऐसा फैसला लिया है जिसने भारत समेत पूरी दुनिया की फिल्म इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है। अपने पारंपरिक अंदाज़ में सोशल मीडिया पर घोषणा करते हुए ट्रंप ने कहा है कि अब अमेरिका के बाहर बनी किसी भी फिल्म पर 100% टैरिफ (कर) लगाया जाएगा। उनका तर्क है कि अमेरिकी फिल्म उद्योग को अन्य देशों ने चुरा लिया है, ठीक वैसे ही जैसे किसी बच्चे से टॉफी छीन ली जाती है।

देखा जाये तो यह फैसला केवल कूटनीतिक या वाणिज्यिक कदम नहीं है, बल्कि ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट सोच का नया नमूना है। किंतु सवाल यह है कि यह लगातार भारत जैसे देशों के हितों के विरुद्ध क्यों जाता है? और इससे भारत की सबसे प्रभावशाली सांस्कृतिक धारा यानि बॉलीवुड पर क्या असर पड़ेगा?

रंगीन बक्सा दिखाकर ट्रंप को खुश कियाहम आपको बता दें कि ट्रंप का राजनीतिक आधार अमेरिकी मध्यवर्ग और घरेलू उद्योग जगत है, जो मानता है कि वैश्वीकरण ने उनकी नौकरियाँ छीन लीं। यही सोच फिल्म उद्योग में भी दिखाई देती है। अमेरिकी स्टूडियो लंबे समय से VFX और एनीमेशन का बड़ा हिस्सा भारत जैसे देशों में आउटसोर्स करते रहे हैं। यह भारत के लिए रोज़गार और तकनीकी विकास का बड़ा अवसर था। लेकिन ट्रंप इसे अमेरिका की कमजोरी के रूप में देखते हैं।

देखा जाये तो भारत के हितों के विरुद्ध ट्रंप की नीति कोई नई बात नहीं है। पहले भी उन्होंने स्टील, एल्युमिनियम और आईटी सेवाओं पर कठोर रुख अपनाया। अब फिल्म उद्योग को निशाना बनाकर वह भारत को दोहरा नुकसान पहुँचा रहे हैं। ट्रंप के फैसले के बॉलीवुड पर संभावित असर की बात करें तो आपको बता दें कि भारतीय फिल्म उद्योग हर साल 100 से 150 मिलियन डॉलर अमेरिकी बाज़ार से कमाता है। हिंदी और तेलुगु की बड़ी फ़िल्में अकेले 10 मिलियन डॉलर तक की कमाई अमेरिका में करती हैं। यदि 100% टैरिफ लागू होता है तो वहाँ टिकट की कीमत दोगुनी होकर 40 डॉलर तक पहुँच सकती है। इससे सबसे अधिक प्रभावित होंगे भारतीय प्रवासी दर्शक, जो अब तक भारतीय फिल्मों को बड़े पैमाने पर समर्थन देते आए हैं।

इसके अलावा, OTT और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स जैसे- नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम, डिज़्नी+ हॉटस्टार के लिए भी यह झटका है। अगर भारतीय कंटेंट महँगा होगा, तो उसकी पहुँच कम होगी और प्रोड्यूसर्स को घाटा उठाना पड़ेगा। इससे भारतीय सिनेमा का वैश्विक प्रसार धीमा हो सकता है।

विडंबना यह है कि ट्रंप जिस हॉलीवुड की रक्षा करना चाहते हैं, उसी को उनके फैसले से सबसे बड़ा नुकसान होगा। हम आपको बता दें कि अमेरिकी फ़िल्म उद्योग की 70% कमाई अंतरराष्ट्रीय बाज़ार से होती है। यदि अन्य देश जवाबी टैरिफ लगाते हैं तो हॉलीवुड का कारोबार ध्वस्त हो सकता है।

इसके अलावा, हॉलीवुड की तमाम बड़ी फ़िल्मों— अवेंजर्स: एंडगेम, ड्यून, जंगल बुक, इंटरस्टेलर का पोस्ट-प्रोडक्शन भारत जैसे देशों में हुआ है। अगर यह सहयोग बाधित होता है तो न केवल लागत बढ़ेगी, बल्कि रचनात्मक गुणवत्ता भी प्रभावित होगी।

माना जा रहा है कि भारतीय एनीमेशन और ङ्क्स्नङ्ग उद्योग 2026 तक 2.2 बिलियन डॉलर का हो जाएगा। ट्रंप का यह फैसला इस ग्रोथ को रोक सकता है। लेकिन यह भारत के लिए एक अवसर भी है- नए बाजारों और साझेदारियों की तलाश का। यूरोप, एशिया और अफ्रीका में भारतीय कंटेंट के लिए संभावनाएँ हैं। अमेरिका के अतिरिक्त यदि भारत अपनी फिल्मों और सेवाओं को अन्य बाज़ारों तक पहुँचाता है तो वह इस झटके को संतुलित कर सकता है।

देखा जाये तो ट्रंप का यह कदम एक बार फिर साबित करता है कि उनकी नीतियों का केंद्र केवल अमेरिका फर्स्ट है, भले ही इससे उनके सहयोगी देशों को नुकसान क्यों न हो।

भारत जैसे उभरते साझेदार, जिन्होंने दशकों से अमेरिकी तकनीक, मनोरंजन और व्यापार को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है, इस फैसले से प्रत्यक्ष नुकसान उठाएँगे। बॉलीवुड, जो विश्व का सबसे बड़ा फिल्म उद्योग है, अमेरिकी बाज़ार में अपनी स्थिति खो सकता है। भारतीय दर्शकों के लिए टिकट और स्ट्रीमिंग की कीमतें बढ़ेंगी, और निर्माताओं को नए बाजार तलाशने होंगे।

बहरहाल, ट्रंप के लिए यह राजनीतिक सफलता हो सकती है, किंतु वैश्विक सिनेमा के लिए यह कदम विनाशकारी सिद्ध होगा। सवाल यह है कि क्या दुनिया अमेरिकी राष्ट्रवाद के इस नए रूप के आगे झुक जाएगी, या फिर भारतीय सिनेमा समेत वैश्विक फिल्म उद्योग एकजुट होकर इसका जवाब देगा?

इसके अलावा, हअअ और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स जैसे- नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम, डिज़्नी+ हॉटस्टार के लिए भी यह झटका है। अगर भारतीय कंटेंट महँगा होगा, तो उसकी पहुँच कम होगी और प्रोड्यूसर्स को घाटा उठाना पड़ेगा। इससे भारतीय सिनेमा का वैश्विक प्रसार धीमा हो सकता है।

विडंबना यह है कि ट्रंप जिस हॉलीवुड की रक्षा करना चाहते हैं, उसी को उनके फैसले से सबसे बड़ा नुकसान होगा। हम आपको बता दें कि अमेरिकी फ़िल्म उद्योग की 70त्न कमाई अंतरराष्ट्रीय बाज़ार से होती है। यदि अन्य देश जवाबी टैरिफ लगाते हैं तो हॉलीवुड का कारोबार ध्वस्त हो सकता है। इसके अलावा, हॉलीवुड की तमाम बड़ी फ़िल्मों— अवेंजर्स: एंडगेम, ड्यून, जंगल बुक, इंटरस्टेलर का पोस्ट-प्रोडक्शन भारत जैसे देशों में हुआ है।

–नीरज कुमार दुबे

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

महिला वनडे विश्व कप : दीप्ति शर्मा के ऑलराउंड प्रदर्शन से भारत की जीत, श्रीलंका को 59 रनों से हराया

एजेंसी

गुवाहाटी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वनडे विश्व कप का आगाज शानदार अंदाज़ में किया और उद्घाटन मैच में श्रीलंका को 59 रन से मात दी। बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारत की जीत की हीरो रहीं दीप्ति शर्मा, जिन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से दम दिखाया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए संघर्षपूर्ण स्थिति से उबरकर बड़ा स्कोर खड़ा किया। शुरुआती विकेट जल्दी गिरने के बाद दीप्ति शर्मा (87 रन) और अमनजोत कौर (57 रन) की सातवें विकेट के लिए 103 रनों की साझेदारी ने टीम को संभाला। हरलीन देओल (48) और प्रतिका रावल (37) ने भी अहम योगदान दिया। डीएलएस नियम के आधार पर श्रीलंका को 271 रन का लक्ष्य मिला, लेकिन पूरी टीम 45.4 ओवर में 211 रन पर सिमट गई। कप्तान चमारी अट्टापट्टू (43), निलाक्षी दि सिल्वा (35) और हर्षिता समाराविक्रमा (29) ही कुछ संघर्ष कर सकीं। गेंदबाजी में भी दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट झटके, जबकि स्नेह राणा और श्री चरणी ने 2-2 विकेट हासिल किए। बाकी गेंदबाजों ने भी लगातार दबाव बनाए रखा। इस जीत के साथ भारतीय महिला टीम ने टूर्नामेंट की विजयी शुरुआत की और खिताबी अभियान को मजबूत आधार दिया।

सुमित और संदीप ने दिलाया भारत को दो स्वर्ण, पदक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंचा भारत

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में जारी इंडियनऑयल नई दिल्ली 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के तीसरे दिन मंगलवार की शाम भारत के लिए ऐतिहासिक रही। सुमित अंतिल ने पुरुषों की भाला फेंक स्र64 और संदीप सिंह सरगर ने स्र44 वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का परचम बुलंद किया। टोक्यो पैरालंपिक और दो बार के विश्व चैंपियन सुमित अंतिल ने इस बार भी कमाल दिखाया। शुरुआती चार प्रयासों में लगातार 65 मीटर से अधिक दूरी पर भाला फेंकने के बाद उन्होंने पाँचवें प्रयास में 71.37 मीटर का नया चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाकर स्वर्ण पक्का किया। यह उनकी लगातार तीसरी विश्व चैंपियनशिप जीत है। दूसरी ओर, संदीप सिंह सरगर ने रोमांचक मुकाबले में 62.82 मीटर का थ्रो कर भारत को दूसरा स्वर्ण दिलाया। संदीप ने पिछले वर्ष इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। इस बार उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन से भारत को 1-2 की बढ़त दिलाई। दिन की प्रतियोगिताओं में ब्राजील के एडेनिलसन रॉबर्टो ने 62.36 मीटर का थ्रो कर स्र42 वर्ग का विश्व रिकॉर्ड बनाया और कांस्य पदक जीता। वहीं ग्रीस और पोलैंड के एथलीटों ने ट्रैक एंड फील्ड स्पर्धाओं में नए विश्व रिकॉर्ड स्थापित किए।

पीकेएल-12: तेलुगु टाइटंस की लगातार तीसरी जीत, पटना पायरेट्स को 37-28 से हराया

चेन्नई। कप्तान विजय मलिक और ऑलराउंडर भरत की मदद से तेलुगु टाइटंस ने यहां एसडीएटी मल्टी परपज इनडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 55वें मैच में पटना पायरेट्स को 37-28 से हरा दिया। तेलुगु टाइटंस 11 मैचों में छठी और लगातार तीसरी जीत के बाद अब 12 अंक लेकर तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। पटना पायरेट्स को नौ मैचों में सातवीं हार का सामना करना पड़ा है। विजेता तेलुगु के लिए विजय मलिक के 13 प्वाइंट के अलावा भरत ने आठ और अंकित ने चार प्वाइंट लिए। वहीं, पटना के लिए सिर्फ अयान चले, जिन्होंने 13 प्वाइंट अपने नाम किए। इस सीजन में विजयी हैट्रिक लगाने उतरी तेलुगु टाइटंस ने विजय मलिक की अगुवाई में अच्छी शुरुआत की। शुरुआती दस मिनटों के खेल में विजय मलिक ने चार प्वाइंट ले लिए जबकि पटना के मनिंदर सिंह दोनों बार रेडिंग में टैकल कर लिए गए। लेकिन अयान के दम पर पटना सिर्फ एक प्लाइंट से पीछे थी और स्कोर 8-7 से टाइटंस के पक्ष में था। मैच के 13वें मिनट में अयान ने मैच में तीन प्वाइंट की सुपर रेड लगाकर पटना को पहली बार मैच में बढ़त दिला दी। अयान के बाद सुधाकर एम ने भी अंक लेकर बढ़त को मजबूत कर दी। लेकिन तेलुगू ने फिर से 12-12 की बराबरी हासिल कर ली।

भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच खेले जाने वाला पहला वनडे बारिश के चलते रद्द, दर्शकों में मायूसी

कानपुर। ग्रीन पार्क अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच खेले जाने वाला पहला वनडे मैच बारिश के चलते रद्द कर दिया गया। मैच रद्द होने की घोषणा होते ही अपने चहेते खिलाड़ियों को नजदीक से देखने आए दर्शकों के चेहरे पर मायूसी सी छा गई और दोनों ही टीमों के खिलाड़ी बस द्वारा होटल रवाना हो गए। अब तीन मैचों की सीरीज का दूसरा वनडे शुक्रवार को जबकि तीसरा और अंतिम वनडे खेला जाएगा।भारत के और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जाने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज का आज पहला मैच था। जिसे लेकर दर्शकों में काफी उत्साह भी देखने को मिल रहा था। सुबह से ही हजारों की संख्या में दर्शन स्टेडियम के बाहर मौजूद रहे। कुछ देर बाद उनकी एंट्री भी होने लगी लेकिन फिर बारिश होने लगी। इसके बाद दोनों ही टीमों के खिलाड़ी मैदान पर उतरे उन्होंने मौसम का जायजा लिया। इसके बाद ड्रेसिंग रूम में चले गए। उधर पिच पानी से सुरक्षित रखने के लिए पूरी तरह से ढक दिया गया है। दर्शकों को उम्मीद थी कि बारिश के रुकने के बाद ओवरों में कटौती कर मैच खेला जाएगा, लेकिन सुबह से दोपहर और फिर शाम होने तक बारिश नहीं रुकी। जिसके चलते रेफरी द्वारा मैच को रद्द कर दिया गया। इसके बाद दोनों ही टीमें बस द्वारा होटल की तरफ रवाना हो गईं।

बिली जीन किंग कप प्ले-ऑफ के लिए महिला टीम की घोषणा, मेजबानी करेगा भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने 14 से 16 नवंबर तक बेंगलुरु के एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में होने वाले 2025 बिली जीन किंग कप प्ले-ऑफ के लिए भारतीय महिला टीम की घोषणा कर दी है। यह पहली बार होगा जब भारत इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के प्ले-ऑफ की मेजबानी करेगा। टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलेगा। इसमें सहजा यमालापल्ली, श्रिवल्ली भामिदिपत्य, अंकिता रैना, रिया भाटिया और प्रार्थना थोम्बरे शामिल हैं। वैदेही चौधरी को रिज़र्व खिलाड़ी के रूप में चुना गया है। टीम की कप्तानी विशाल उप्पल करेंगे जबकि राधिका कानिटकर कोच की भूमिका निभाएंगी। टीम 4 नवंबर से बेंगलुरु में अभ्यास शिविर शुरू करेगी, जिसमें ज़ील देसाई और श्रुति

आहलावत भी शामिल होंगी। वहीं, युवा खिलाड़ी माया राजेश्वरन, जो क्वालिफिकेशन राउंड में रिज़र्व टीम का हिस्सा थीं, को इस बार अंतिम टीम में जगह नहीं मिली है। भारत को ग्रुप जी में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला स्लोवेनिया और सातवीं वरीयता प्राप्त नीदरलैंड्स से होगा। ग्रुप स्टेज राउंड-रॉबिन प्रारूप में होगा, जिसके विजेता को 2026 बिली जीन किंग कप क्वालिफ़ायर में जगह मिलेगी। अन्य दो टीमें अगले सीज़न के लिए अपने-अपने रीजनल ग्रुप ढ्ढ इवेंट्स में लौट जाएंगी। इससे पहले अप्रैल 2025 में पुणे में खेले गए एशिया-ओशिनिया ग्रुप ढ्ढ में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया था। टीम ने कोरिया गणराज्य को 2-1 से हराकर दूसरा स्थान हासिल किया और प्ले-ऑफ में जगह बनाई। उस समय भारत, न्यूज़ीलैंड के बाद दूसरे स्थान पर रहा था। बिली जीन किंग कप, जिसे पहले फेड कप के नाम से जाना जाता था, महिला टेनिस का विश्व कप माना जाता है। यह दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों को टीम प्रारूप में एक मंच पर लाता है और प्रतिष्ठा के मामले में पुरुषों के डेविस कप के बराबर है।

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में योगेश कथुनिया ने पुरुष डिस्कस एफ56 इवेंट में जीता रजत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पैरा एथलीट योगेश कथुनिया ने यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रहे वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में पुरुष डिस्कस थ्रो स्र56 इवेंट में रजत पदक जीता। योगेश ने अपने दूसरे प्रयास में 42.49 मीटर का थ्रो किया, जो केवल ब्राजील के क्लाउडिनी बस्टिस्टा के 45.67 मीटर के थ्रो से पीछे था, जिन्होंने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। ग्रीस के कोंस्टेंटिनोस ज़ोनिस ने 39.97 मीटर की दूरी के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। यह योगेश का लगातार तीसरा रजत पदक हैं, उन्होंने इसे 2023 और 2024 में फ्रांस और जापान में आयोजित प्रतियोगिताओं में भी जीता था। भारत ने इस प्रतियोगिता में अब तक कुल छह पदक जीते हैं, जिनमें दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य शामिल है।

आर्चरी प्रीमियर लीग मेरे ओलंपिक सपनों की राह का पुल साबित हो सकती है- दीपिका कुमारी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की स्टार तीरंदाज और पूर्व विश्व नंबर-1 दीपिका कुमारी ने आने वाली आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) को भारतीय तीरंदाजी के लिए ऐतिहासिक कदम बताया है। दीपिका का मानना है कि यह पेशेवर फ्रेंचाइज़ी-आधारित प्रतियोगिता उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका देगी, जो लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 में पदक जीतने की उनकी तैयारी में अहम भूमिका निभाएगी दीपिका, जो संभवतः अपने करियर का पाँचवाँ और अंतिम ओलंपिक 2028 में खेलेंगी, ने कहा कि एपीएल जैसी प्रतियोगिता उनके खेल को निखारने और अल्टीमेट टारगेट हासिल करने के लिए बेहद ज़रूरी है। उन्होंने एक बयान में कहा, ÷मेरे लिए लॉस एंजेलिस 2028 सबसे बड़ा लक्ष्य है। मैंने हमेशा ओलंपिक पोडियम पर खड़े होने का सपना देखा है और मुझे विश्वास है कि आर्चरी प्रीमियर लीग उस सपने तक पहुँचने की ताकत बनेगी। यह लीग हमें वही दबाव और माहौल देगी, जो ओलंपिक में महसूस होता है–भरे

स्टेडियम, हर तीर की अहमियत और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला। ऐसे माहौल में खेलना मुझे और मज़बूत बनाएगा। भारत में तीरंदाजी का चेहरा मानी जाने वाली दीपिका पिछले एक दशक से लगातार देश का परचम लहरा रही हैं। जमशेदपुर से अंतरराष्ट्रीय मंच तक का उनका सफर अनगिनत युवाओं के लिए प्रेरणा रहा है। कई बार विश्व नंबर-1 रैंकिंग हासिल करने वाली दीपिका ने वर्ल्ड कप में कई पदक जीते हैं। वह पद्मश्री और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित हो चुकी हैं। दीपिका ने कहा कि एपीएल में अमेरिकी दिग्गज और कई बार के ओलंपिक पदक विजेता ब्रैडी एलिसन जैसे सितारों के साथ खेलने से अपार अनुभव मिलेगा। उन्होंने कहा, जब भारतीय और अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज एक ही टीम में होंगे, तो हम प्रशिक्षण पद्धतियाँ, रणनीतियाँ और मानसिकता साझा करेंगे। यही तरीका स्तर को ऊँचा उठाने का है।

दिग्गज ओलंपियन कार्ल लुईस बने वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 2025 के इंटरनेशनल इवेंट एम्बेसडर

एजेंसी

नई दिल्ली। वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 2025, जिसे प्रोकेम इंटरनेशनल प्रमोट कर रहा है, ने इस वर्ष इतिहास के महानतम एथलीटों में से एक कार्ल लुईस को इंटरनेशनल इवेंट एम्बेसडर बनाया है। नौ बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता कार्ल लुईस 12 अक्टूबर को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से प्रतिष्ठित दौड़ का उद्घाटन करेंगे।

कार्ल लुईस का शानदार करियर आज भी खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने चार ओलंपिक खेलों में भाग लिया और कुल नौ स्वर्ण पदक जीते, जो आधुनिक ओलंपिक इतिहास में किसी भी ट्रैक और फील्ड एथलीट द्वारा जीते गए सबसे अधिक स्वर्ण पदक हैं।

1984 के लॉस एंजेलिस ओलंपिक में लुईस ने अपने प्रदर्शन से वैश्विक ख्याति हासिल की। उन्होंने 100 मीटर (9.99 सेकंड), 200 मीटर (19.8 सेकंड), लंबी कूद (8.54 मीटर) और 4म100 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीतकर जेस्सी ओवेन्स के 1936 बर्लिन ओलंपिक कारनामे के समान इतिहास रचा। यह उपलब्धि उन्हें ओलंपिक इतिहास के केवल तीसरे एथलीट बनाती है जिन्होंने एक ही खेलों में चार स्वर्ण पदक जीते। इसके बाद उन्होंने 1988 सियोल ओलंपिक में 100 मीटर फाइनल में विश्व रिकॉर्ड समय और 1992 बार्सिलोना में लंबी कूद में 8.67 मीटर तथा 4×100 मीटर रिले (37.40 सेकंड) में विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया। उन्होंने अपने करियर का समापन

1996 एटलांटा ओलंपिक में लगातार चौथा लंबी कूद स्वर्ण जीतकर किया। कार्ल लुईस केवल तीन ओलंपियनों में से एक हैं जिन्होंने एक ही व्यक्तिगत इवेंट में चार बार स्वर्ण जीता। उनके रिकॉर्ड मानव क्षमता और उत्कृष्टता का प्रतीक हैं।

अब दिनेश कार्तिक डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 में शारजाह वॉरियर्ज़ के लिए खेलते नजर आएंगे

एजेंसी

शारजाह। पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 में अब शारजाह वॉरियर्ज़ के लिए खेलते नजर आएंगे। कार्तिक को टीम में श्रीलंका के कुसल मेंडिस की जगह शामिल किया गया है। टीम के मुख्य कोच जेपी डुमिनी ने कार्तिक के आने को बड़ा फायदा बताया है।

कार्तिक का क्रिकेट करियर दो दशकों से भी लंबा रहा है। वह आईपीएल 2013 विजेता मुंबई इंडियंस टीम का हिस्सा रहे और भारतीय टीम के साथ 2007 टी20 विश्व कप और 2013 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीत चुके हैं। हाल ही में वे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाजी कोच के तौर पर भी जुड़े थे और 2025 में टीम की पहली आईपीएल ट्रॉफी जीत में योगदान दिया। तमिलनाडु के रहने वाले कार्तिक अपने फिनिशिंग अंदाज़ और आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। वह अक्सर टी20

मैचों के अंतिम ओवरों में बड़े शॉट लगाने और तेज़ रन बनाने में माहिर माने जाते हैं। अब तक खेले गए 412 टी20 मुकाबलों में उन्होंने 7,437 रन बनाए हैं, जिनमें 35 अर्धशतक शामिल हैं। उनका स्ट्राइक रेट 136.66 रहा है। भारत की जर्सी में उन्होंने 60 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 686 रन बनाए, स्ट्राइक रेट 142.61 के साथ। शारजाह वॉरियर्ज़ में कार्तिक का साथ उनके पूर्व आरसीबी साथी टिम डेविड, जिम्बाब्वे के सिकंदर रज़ा, कप्तान टिम साउदी, जॉनसन चार्ल्स, टॉम कोहलर-कैडमोर और सौरभ नेत्रवलकर देंगे। दिनेश कार्तिक ने कहा, मैं शारजाह वॉरियर्ज़ से जुड़कर बेहद उत्साहित हूं। यह एक युवा टीम है और बड़े लक्ष्य हासिल करना चाहती है। शारजाह स्टेडियम में खेलना हमेशा से एक सपना रहा है और अब यह सपना पूरा हो रहा है।कोच जेपी डुमिनी ने कहा - दिनेश कार्तिक एक अनुभवी और बेहद इनोवेटिव खिलाड़ी हैं।

उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और अनुभव हमारी टीम के लिए बड़ी संपत्ति साबित होंगे। खासकर युवा खिलाड़ियों को उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। सीओओ क्षेमल वैनगंकर ने कहा, हम दिनेश कार्तिक जैसे महान खिलाड़ी का स्वागत करके बहुत खुश हैं। उनकी कार्यशैली, सकारात्मक ऊर्जा और तेजी से रन बनाने की क्षमता शारजाह वॉरियर्ज़ को और मज़बूत बनाएगी।

खेल मंत्रालय ने वर्ष 2025 के खेल पुरस्कारों हेतु आवेदन आमंत्रित किए

एजेंसी

नई दिल्ली। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार ने वर्ष 2025 के प्रतिष्ठित खेल पुरस्कारों हेतु आवेदन आमंत्रित किए हैं। ये पुरस्कार प्रतिवर्ष खिलाड़ियों, कोचों तथा संस्थाओं को खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन और योगदान के लिए प्रदान किए जाते हैं।

पुरस्कारों का विवरण:

मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार - खेल क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ एवं असाधारण प्रदर्शन हेतु।

अर्जुन पुरस्कार - निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु।

अर्जुन पुरस्कार (आजीवन योगदान) - खेल विकास में आजीवन योगदान हेतु।

द्रोणाचार्य पुरस्कार - अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक विजेता खिलाड़ी तैयार करने वाले कोचों हेतु।

राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार (आरकेपीपी) - कॉर्पोरेट संस्थानों एवं गैर-सरकारी संगठनों द्वारा खेलों के विकास और प्रोत्साहन हेतु।

पात्र आवेदक केवल ऑनलाइन पोर्टल www.dbtyas-sports.gov.in के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। विस्तृत दिशा-निर्देश मंत्रालय की वेबसाइट www.yas.nic.in पर उपलब्ध हैं। आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 28 अक्टूबर 2025, रात्रि 11:59 बजे तक निर्धारित की गई है।

महिला विश्व कप उद्घाटन के लिए बर्षापारा स्टेडियम तैयार, जुबीन को दी जाएगी श्रद्धांजलि

एजेंसी

गुवाहाटी। राजधानी गुवाहाटी इतिहास रचने के लिए पूरी तरह तैयार है। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के उद्घाटन के लिए बर्षापारा क्रिकेट स्टेडियम तैयार है, जहां भारत और श्रीलंका के बीच पहला रोमांचक मुकाबला होगा। इस समय दुर्गा पूजा के चलते शाम के समय पूजा पंडालों में भारी भीड़ उमड़ रही है, लेकिन महिला क्रिकेट विश्व कप के उद्घाटन कार्यक्रम ने राजधानी गुवाहाटी में एक अलग माहौल बना दिया है। इस कार्यक्रम का गवाह बनने के लिए बड़ी संख्या में लोगों के स्टेडियम में पहुंचने की उम्मीद है। इसको देखते हुए गुवाहाटी यातायात पुलिस ने प्रमुख इलाकों में यातायात को लेकर कुछ दिशा-निर्देश जारी करके सुरक्षा को काफी पुख्ता बनाया है। इस बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले श्रीलंकाई कप्तान चमारी अटापट्टू ने अपनी टीम की तैयारियों पर भरोसा जताया है। मीडिया से बात करते हुए

उन्होंने कहा कि हम पहले मैच के लिए तैयार हैं। चूंकि टूर्नामेंट भारत में हो रहा है, इसलिए वे स्वाभाविक रूप से प्रबल दावेदार होंगे, लेकिन हम भी अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए उतने ही दृढ़ हैं। इस बार सह-मेजबान होने के नाते हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलना चाहते हैं। गुवाहाटी में पहली बार खेलना एक खास अनुभव होगा और हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने विचार साझा किए और युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज उमा छेत्री की अभ्यास मैचों में उनके प्रदर्शन की सराहना की। कौर ने कहा कि उमा ने दोनों अभ्यास मैचों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। गुवाहाटी में होने वाले पहले मैच के लिए वह प्लेइंग इलेवन में शामिल होंगी या नहीं, मैं अभी इसकी पुष्टि नहीं कर सकती, क्योंकि हम आज अंतिम एकादश की घोषणा नहीं कर रहे हैं। लेकिन वह निश्चित रूप से हमारे लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं।

इस समारोह में एक भावनात्मक स्पर्श जोड़ते हुए बर्षापारा स्टेडियम को दिवंगत असमिया संगीत के दिग्गज जुबीन गर्ग की तस्वीरों से सजाया गया है, जो उस गायक को भावभीनी श्रद्धांजलि है, जिनकी विरासत असम के लोगों के साथ आज भी गूंजती है।

कनाडा सुपर 60 में खेलेंगे सुरेश रैना, टोरंटो सिक्सर्स से जुड़े

एजेंसी

वैंकूवर। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना कनाडा सुपर 60 लीग में खेलते हुए नज़र आएंगे। यह टूर्नामेंट 8 से 13 अक्टूबर तक वैंकूवर के बीसी प्लेस में आयोजित होगा। रैना टोरंटो सिक्सर्स की ओर से मैदान पर उतरेंगे। उनके शामिल होने से इस लीग को बड़ा बढ़ावा मिलने की उम्मीद है और दर्शकों में रोमांच भी बढ़ेगा। लेफ्ट-हैंड बल्लेबाज रैना अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और शानदार फील्डिंग के लिए मशहूर रहे हैं। इस बार वह एलेक्स हेल्स, जेसन रॉय और आंद्रे फ्लेचर जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के साथ खेलते नजर आएंगे। टोरंटो सिक्सर्स से जुड़ने को लेकर सुरेश रैना ने एक बयान में कहा, ÷मैं कनाडा सुपर 60 का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। यह उद्घाटन संस्करण है और पहले से ही खास महसूस हो रहा है। टोरंटो सिक्सर्स की टीम संतुलित है जिसमें बड़े अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और कनाडाई प्रतिभाएं शामिल हैं। मैं उनके साथ खेलकर टीम की सफलता में

योगदान देने के लिए तत्पर हूं। कनाडा सुपर 60 के संस्थापक और चेयरमैन अभिषेक शाह ने कहा, 'हमें खुशी है कि सुरेश रैना इस प्रतियोगिता में शामिल हो रहे हैं। उनका अनुभव और स्टार वैल्यू युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत प्रेरणादायी होगी।' वहीं, टोरंटो सिक्सर्स के सीईओ सामी फरीदी ने कहा, हमारे लिए सुरेश रैना का टीम में होना सम्मान की बात है। वह वर्ल्ड कप विजेता रहे हैं और दुनिया के बड़े टूर्नामेंटों में खेल चुके हैं। छोटे प्रारूप में उनका अनुभव हमारी टीम के लिए बड़ा लाभ होगा। टोरंटो सिक्सर्स का पहला मुकाबला 8 अक्टूबर को ब्रैम्पटन ब्लिट्ज के खिलाफ होगा।

ऐश्वर्या पिस्से ने रचा इतिहास, डबल्यू2आरसी पुर्तगाल में जीत दर्ज करने वाली एशिया और भारत की पहली महिला बनीं

एजेंसी

पुर्तगाल। बेंगलुरु की ऐश्वर्या पिस्से ने इतिहास रचते हुए एशिया और भारत की पहली महिला बनने का गौरव हासिल किया है, जिन्होंने बीपी अल्टिमेट रैली-रेड पुर्तगाल 2025 (एफआईएम वर्ल्ड रैली-रेड चैंपियनशिप - डबल्यू2आरसी) के चौथे राउंड में अपनी श्रेणी में जीत दर्ज की। रैली2 - विमेंस कैटेगरी में प्रतिस्पर्धा करते हुए ऐश्वर्या ने न केवल अपनी श्रेणी में बाजी मारी, बल्कि अंतरराष्ट्रीय दिग्गज राइडर्स से भरे मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल 27वां स्थान भी हासिल किया। दुनिया की सबसे कठिन रैली-रेड श्रृंखला में निजी प्रतिभागी (प्राइवेटियर) के तौर पर उतरकर जीत दर्ज करना भारतीय और एशियाई मोटरस्पोर्ट्स के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। टीवीएस रेसिंग और अपने सहयोगी साझेदारों के मजबूत समर्थन के साथ ऐश्वर्या ने धैर्य, आत्मनिर्भरता और उत्कृष्टता का प्रतीक बनकर वैश्विक मंच पर पहचान बनाई है। अपनी ऐतिहासिक जीत पर ऐश्वर्या ने कहा,यह जीत मेरे लिए बेहद खास है। एशिया और भारत की पहली महिला के रूप में इस स्तर पर जीतना सिर्फ मेरा निजी माइलस्टोन नहीं है, बल्कि हर उस लड़की के लिए संदेश है जो सपनों की उड़ान भरना चाहती है। मैं टीवीएस रेसिंग और अपने सभी सहयोगियों की आभारी हूं।

हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट 7 से 9 नवम्बर तक होगा, इस बार 12 अंतरराष्ट्रीय टीमें हिस्सा लेंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। हांगकांग के कॉनराड होटल में एक समारोह में बहुप्रतीक्षित हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट का औपचारिक रूप से ऐलान किया गया। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का 2025 संस्करण 7 से 9 नवम्बर तक टिन क्वोंग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेला जाएगा। इस बार 12 अंतरराष्ट्रीय टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें विश्व की नंबर एक टीम भारत, नंबर दो टीम ऑस्ट्रेलिया और टीम हांगकांग, चाइना शामिल हैं। यह टूर्नामेंट पूरी दुनिया में होने वाले किसी भी अन्य क्रिकेट आयोजन से पूरी तरह से अलग है। अपनी अनोखी शैली के लिए प्रसिद्ध इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट की शुरुआत 33 वर्ष पहले की गई थी। भविष्य के सितारों से सजा यह टूर्नामेंट इस वर्ष और भी खास होने जा रहा है, जिसमें वीकेंड पर कम्युनिटी फैन पार्क भी शामिल किया गया है। इसके बारे में बात करते हुए क्रिकेट हांगकांग, चीन के चेयरपर्सन बुरजी श्रॉफ ने कहा, हांगकांग सिक्सेस हमारे लिए केवल क्रिकेट का एक मंच नहीं बल्कि, हमारी सामुदायिक भावना और खेल के प्रति साझा जुनून का प्रतीक है। यह टूर्नामेंट हर वर्ग के लोगों, प्रशंसकों व खिलाड़ियों के बीच आपसी भाईचारे को मजबूत करता है। यह न केवल खिलाड़ियों की प्रतिभा, बल्कि हमारे खूबसूरत शहर की जीवंत संस्कृति और समृद्ध विरासत को भी दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा, हम आभारी हैं कि सरकार ने लगातार दूसरे वर्ष हमें 'एम' मार्क स्टेटस और मेजर स्पोर्ट्स इवेंट्स कमेटी से फंडिंग सहयोग प्रदान किया है। चर्चा को आगे बढ़ते हुए मेजर स्पोर्ट्स इवेंट्स कमेटी के चेयरमैन विलफ्रेड एनजी ने कहा, हम क्रिकेट हांगकांग, चाइना के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल के आयोजन ने भागीदार बनकर काफी खुशी महसूस कर रहे हैं। यह टूर्नामेंट स्थानीय खिलाड़ियों को घरेलू मैदान पर खेलने का अवसर देता है और जनता को उच्च स्तरीय प्रतियोगिताएं देखने का मौका प्रदान करता है। इससे खेल संस्कृति और सामुदायिक गौरव को बढ़ावा मिलता है तथा हांगकांग को प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के केंद्र के रूप में स्थापित करने के हमारे उद्देश्य को और मजबूत करता है।

क्रिकेट हांगकांग, चाइना के मार्केटिंग और कमर्शियल निदेशक अनुराग भटनागर ने कहा, 12 अंतरराष्ट्रीय टीमों में क्रिकेट दिग्गजों और युवा सितारों की मौजूदगी से इस बार प्रतिभा का स्तर अभूतपूर्व होगा। हमें उम्मीद है कि खेल की गुणवत्ता और रोमांच अपने चरम पर रहेगा। यह सिर्फ एक बड़ा क्रिकेट आयोजन नहीं, बल्कि हमारे शहर को पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर भी है।अरीवा स्पोर्ट्स के सह-संस्थापक और वाणिज्यिक साझेदार रजनीश चोपड़ा ने कहा, सिक्सेस ऐसा आयोजन है जिसे हम वर्षों से देखते आ रहे हैं। हम हमेशा से किसी अलग तरह के अंतरराष्ट्रीय आयोजन पर काम करना चाहते थे और सिक्सेस ऐसा टूर्नामेंट है जिसमें परंपरा भी है और खेल को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने की क्षमता भी। हम इसका हिस्सा बनकर बेहद उत्साहित हैं। इवेंट का आधिकारिक साझेदार हांगकांग जॉकी क्लब है, जिसके साथ मिलकर 'जॉकी क्लब हांगकांग क्रिकेट सिक्सेस कम्युनिटी प्रोग्राम' आयोजित किया जाएगा, जो स्थानीय लोगों में क्रिकेट को बढ़ावा देगा। इसमें मास्टरक्लास, अन्य खेल व सांस्कृतिक स्टॉल्स भी शामिल होंगे। पहली बार क्रिकेट हांगकांग, चाइना ने सांस्कृतिक बूथ और मिनी क्रिकेट अनुभव को प्रदर्शनी के रूप में टूर्नामेंट स्थल पर शामिल किया है। यहां चार बूथ लगाए जाएंगे जहां जनता खेल का अनुभव ले सकेगी। इस कार्यक्रम के तहत दिव्यांग और वंचित समुदाय के लिए निःशुल्क टिकट भी दिए जाएंगे ताकि उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले 'एम मार्क इवेंट' का आनंद लेने का समान अवसर मिल सके। इस बार 12 अंतरराष्ट्रीय टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें विश्व की नंबर एक टीम भारत, नंबर दो टीम ऑस्ट्रेलिया और टीम हांगकांग, चाइना शामिल हैं।

स्टॉक मार्केट में आनंद राठी के शेयरों की मजबूत लिस्टिंग, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। स्टॉक ब्रोकिंग, वेल्थ मैनेजमेंट, इन्वेस्टमेंट बैंकिंग, कमोडिटी ब्रोकिंग और कैपिटल मार्केट लेंडिंग का कारोबार करने वाली कंपनी आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 414 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 4 प्रतिशत से अधिक प्रीमियम के साथ 432.10 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से इस शेयर की चाल में और तेजी आ गई। दिन भर का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 445.55 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 7.62 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड का 745 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 25 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 20.66 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 44 गुना सब्सक्राइब हुआ था। नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 30 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 4.8 गुना सब्सक्राइब हो सका था।

शेषसाई टेक्नोलोजीज की मजबूत लिस्टिंग के बाद बना बिकवाली का दबाव, घाटे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और बीमा इंडस्ट्री को पेमेंट सॉल्यूशंस मुहैया कराने वाली कंपनी शेषसाई टेक्नोलोजिज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री की। हालांकि लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के आईपीओ निवेशकों की खुशी फीकी पड़ गई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 423 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 3 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 436 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 2 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 432 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 437.45 रुपये के स्तर तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद मुनाफावसूली के चक्कर में बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इसकी चाल में गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 411.50 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 2.72 प्रतिशत का नुकसान हो गया। शेषसाई टेक्नोलोजिज का 813.07 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 25 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 69.94 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

सोलरवर्ल्ड के शेयरों की मजबूत लिस्टिंग के बाद बना बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली। सोलर एनर्जी सेक्टर की कंपनी सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। हालांकि, निवेशकों की खुशी कुछ देर बाद ही तब फीकी पड़ गई, जब बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के शेयकों में गिरावट का रुख बन गया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 351 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 11 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 389 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 10.68 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 388.50 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर की चाल में गिरावट आ गई। पूरे दिन का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर एनएसई पर 323.50 रुपये और बीएसई पर 323.20 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह प्रीमियम लिस्टिंग के बावजूद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 7.8 प्रतिशत का नुकसान हो गया। सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस का 490 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 25 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 68.49 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

भारत को मजबूत जनादेश के साथ आईसीएओ परिषद में दोबारा चुना गया

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) की परिषद के भाग II के लिए भारत को तीन साल के लिए पुनः निर्वाचित किया गया है। इस परिषद में अंतरराष्ट्रीय नागरिक हवाई नौवहन के लिए सुविधाओं के प्रावधान में सबसे बड़ा योगदान देने वाले देश शामिल हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि भारत को अंतरराष्?ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) की परिषद में और भी मजबूत जनादेश के साथ दोबारा चुना गया है। मंत्रालय के मुताबिक यह चुनाव 27 सितंबर को मॉन्ट्रियल में आईसीएओ के 42वें अधिवेशन के दौरान हुआ। भारत को 2022 के चुनावों की तुलना में ज्यादा वोट मिले हैं, जो सदस्य देशों के बीच उसके नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन के प्रति प्रतिबद्धता में बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। मंत्रालय ने कहा कि वर्ष 1944 से आईसीएओ का संस्थापक सदस्य होने के नाते भारत ने 81 वर्षों से परिषद में अपनी निर्बाध उपस्थिति बनाए रखी है। यह सुरक्षित, संरक्षित, दीर्घकालिक, सामंजस्यपूर्ण और लैंगिक-समावेशी अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन को बढ़ावा देने के आईसीएओ के मिशन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है।

आरबीआई ने रेपो रेट 5.5 फीसदी पर रखा बरकरार, जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने रेपो रेट को 5.5 फीसदी पर बरकरार रखने का फैसला किया है। साथ ही चालू वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी ग्रोथ 6.8 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को एमपीसी की तीन दिवसीय द्विमासिक समीक्षा बैठक के बाद इस फैसले की जानकारी दी।

आरबीआई गवर्नर ने छह सदस्यीय एमपीस की तीन दिवसीय बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए कहा, ''एमपीसी ने आम सहमति से रेपो दर को 5.5 फीसदी पर बरकरार रखने का निर्णय किया है।'' आरबीआई के गवर्नर ने कहा कि वस्?तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती और अन्य उपायों को देखते हुए वित्त वर्ष 2025-26 में महंगाई 2.6 फीसदी रहने का अनुमान है, जो पहले 3.1 फीसदी था। आरबीआई के

गवर्नर ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा पेश करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर चुनौतियों के बावजूद बेहतर मानसून और अन्य कारणों से पहली तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर बेहतर रही है। मल्होत्रा ने कहा कि अनुकूल मानसून, कम महंगाई और मौद्रिक नरमी से आर्थिक वृद्धि की संभावना मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 6.8 फीसदी रहने का अनुमान है, जो पहले 6.5 फीसदी था। मल्होत्रा ने कहा कि जीएसटी युक्तिसंगत बनाने से मुद्रास्फीति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, उपभोग एवं वृद्धि विकास को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि साथ ही मौद्रिक नीति रुख को तटस्थ बनाये रखा गया है। इसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक आर्थिक स्थिति के हिसाब से नीतिगत दर में समायोजन को लेकर लचीला बना रहेगा। उल्लेखनीय है कि यह लगातार दूसरी बार है जब रेपो रेट को 5.5 फीसदी यथावत रखा गया है। इससे पहले केंद्रीय बैंक इस साल फरवरी से जून तक नीतिगत दर रेपो रेट में एक फीसदी की कटौती कर चुका है। इस साल जून की मौद्रिक नीति की समीक्षा में रेपो रेट में 0.5 फीसदी की कटौती की गयी थी। वहीं, फरवरी और अप्रैल की मौद्रिक नीति की समीक्षा में रेपो रेट में 0.25-0.25 फीसदी की कटौती की गई थी।

कमर्शियल गैस सिलेंडर 16 रुपये तक महंगा, नई दरें लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में महंगाई का झटका लगा है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 16 रुपये तक की बढ़ोतरी की है। हालांकि, घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई दरें बुधवार से लागू हो गई हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक राजधानी नई दिल्ली में

19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में 15 रुपये का इजाफा किया गया है, जो अब 1580 रुपये से बढ़कर 1595 रुपये हो गया है। कोलकाता में यह सिलेंडर 16 रुपये रुपये महंगा होकर अब 1700 रुपये में उपलब्ध है। इसी तरह 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत अब मुंबई में 16 रुपये बढ़कर 1547 रुपये हो गई है, जबकि चेन्नई में यही सिलेंडर 16 रुपये महंगा हो गया है, 1754 रुपये में मिल रहा है। हालांकि, 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह सिलेंडर दिल्ली में 853.00 रुपये, कोलकाता में 879.00 रुपये, मुंबई में 852.50 रुपये और चेन्नई में 868.50 रुपये में मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में ये बढ़ोतरी होटल, रेस्टोरेंट और छोटे कारोबारियों की जेब पर असर डाल सकती है।

आरबीआई ने छह सदस्यीय भुगतान नियामक बोर्ड का गठन किया

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने मंगलवार को देशभर में भुगतान प्रणालियों के कामकाज की निगरानी के लिए छह सदस्यीय भुगतान नियामक बोर्ड (पीआरबी) का गठन किया है। इस बोर्ड की अध्यक्षता आरबीआई गवर्नर खुद करेंगे, जबकि इसमें केंद्र सरकार के तीन नामित सदस्य शामिल होंगे। रिजर्व बैंक ने जारी एक बयान में बताया कि भुगतान नियामक बोर्ड (पीआरबी) का गठन पीएसएस अधिनियम, 2007 की धारा 3 (2) के तहत किया गया है।

आरबीआई ने कहा कि देशभर में भुगतान प्रणालियों के कामकाज की निगरानी के लिए गठित छह सदस्यीय भुगतान नियामक बोर्ड में केंद्र सरकार के तीन नामित सदस्य भी शामिल हैं। इस बोर्ड के प्रमुख गवर्नर हैं। आरबीआई ने कहा कि वित्?त मंत्रालय की ओर से 6 मई, 2025 को जारी गजट अधिसूचना के अनुसार भुगतान नियामक बोर्ड (पीआरबी), रिजर्व

बैंक के केंद्रीय बोर्ड की एक समिति, भुगतान और निपटान प्रणाली विनियमन और पर्यवेक्षण बोर्ड (बीपीएसएस) का स्थान लेगा। इस पांच सदस्यीय बीपीएसएस का नेतृत्व भी रिजर्व बैंक के गवर्नर करते थे, लेकिन इसमें कोई सरकारी नामित सदस्य शामिल नहीं है।‸मई में जारी अधिसूचना के अनुसार पीआरबी में रिजर्व बैंक के अन्य दो सदस्य डिप्टी गवर्नर और भुगतान और निपटान प्रणालियों के प्रभारी कार्यकारी निदेशक हैं। इस बोर्ड में सरकार के नामित सदस्यों में वित्तीय सेवा विभाग के सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव और पूर्व दूरसंचार सचिव अरुणा सुंदरराजन हैं। मई में जारी अधिसूचना के अनुसार नवगठित भुगतान विनियामक बोर्ड की बैठक सामान्यतः वर्ष में कम से कम दो बार होगी। रिजर्व बैंक के प्रधान कानूनी सलाहकार बोर्ड की बैठकों में स्थायी आमंत्रित सदस्य होते हैं।

केंद्र का राजकोषीय घाटा अगस्त तक बजट अनुमान के 38 फीसदी पर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले पांच महीने में अप्रैल से अगस्त के अंत तक बजट अनुमान के 38.1 फीसदी पर पहुंच गया है। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को लेखा महानियंत्रक (सीजीए) के जारी आंकड़ों में बताया कि चालू वित्?त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से अगस्?त के दौरान कुल प्राप्तियां 12,82,709 करोड़ रुपये (बजट अनुमान का 36.7 फीसदी) रही, जबकि कुल व्यय 18,80,862 करोड़ रुपये (बजट अनुमान का 37.1 फीसदी) है। इस प्रकार राकोषीय घाटा 5,98,153 करोड़ रुपये रहा। ये बजट अनुमान का 38.12 फीसदी है, जबकि जुलाई तक यह बजट अनुमान का 29.85 फीसदी पर था। सीजीए के जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के पहले पांच महीनों (अप्रैल-अगस्त) में राजकोषीय घाटा बजट अनुमान (बीई) का 27 फीसदी था। केंद्र सरकार का अनुमान है कि चालू वित्?त वर्ष 2025-26 के दौरान राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद

का 4.4 फीसदी यानी 15.69 लाख करोड़ रुपये होगा। आंकड़ों से पता चला है कि सरकार को अगस्त 2025 तक 12.82 लाख करोड़ रुपये (वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में अनुमानित कुल प्राप्तियों का 36.7 फीसदी) प्राप्त हुए। केंद्र सरकार द्वारा अगस्त तक केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के रूप में राज्य सरकारों को 5.3 लाख करोड़ रुपये अंतरित किए गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 74,431 करोड़ रुपये अधिक है। केंद्र का कुल व्यय 18.8 लाख करोड़ रुपये (2025-26 के बजट अनुमान का 37.1 फीसदी) था। इसमें से 14.49 लाख करोड़ रुपये राजस्व खाते में और 4.31 लाख करोड़ रुपये पूंजी खाते में व्यय हुए। इस तरह कुल राजस्व व्यय में से 5,28,668 करोड़ रुपये ब्याज भुगतान मद में और 1,50,377 करोड़ रुपये प्रमुख सब्सिडी मद में खर्च हुए।

स्टॉक मार्केट में एप्टस फार्मा ने जोरदार एंट्री करके आईपीओ निवेशकों को किया खुश

एजेंसी

नई दिल्ली। फार्मा सेक्टर की कंपनी एप्टस फार्मा के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 70 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 15.4 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 80.80 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से कंपनी के शेयरों के भाव में और तेजी का रुख बना। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दिन के दूसरे सत्र में कंपनी के शेयर उछल कर 84.84 रुपये के अपर सर्किल लेवल तक पहुंच गए और इसी स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 21.20 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। एप्टस फार्मा का 13.02 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 25 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 22.27 गुना

सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.24 गुना सब्सक्राइब हुआ था। नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 28.75 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 31.43 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 18,60,000 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 19 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 80 लाख रुपये और 2024-25 में उछल कर 3.10 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 38 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 24.64 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी पर कर्ज में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी का कर्ज 2.21 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में बढ़ कर 5.31 करोड़ रुपये हो गया।

जारो इंस्टीट्यूट ने किया निराश, फ्लैट लिस्टिंग के बाद बना बिकवाली का दबाव

एजेंसी

नई दिल्ली। एडटेक कंपनी जारो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड रिसर्च लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 890 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 890 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इसकी चाल में गिरावट आ गई। पूरे दिन का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 744.25 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 16.38 प्रतिशत का नुकसान हो गया। जारो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड रिसर्च लिमिटेड का 450 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 25 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 23.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 37.19 गुना सब्सक्राइब हुआ था। नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 37.32 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 9.15 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 170 करोड़ रुपये के 19,10,112 नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 280 करोड़ रुपये के 31,46,067 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी मार्केटिंग, ब्रांड बिल्डिंग और एडवर्टाइजमेंट एक्टिविटीज पर खर्च करने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

टेम्प्सेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किया डीएचआरपी

एजेंसी

नई दिल्ली। गुजरात के वडोदरा की कंपनी टेम्प्सेंस इंस्ट्रूमेंट्स इंडिया ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है।

पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक टेम्प्सेंस इंस्ट्रूमेंट्स इंडिया का 4 रुपये के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ 118 करोड़ रुपये तक के नए शेयरों का निर्गम है। इसमें प्रमोटरों अमित तलेसरा, पुनीत तलेसरा और चंद्र प्रकाश तलेसरा ने 17,925,071 इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव दिया है। इसके अलावा शेयर बेचने वाले अन्य शेयरधारक अंकित तलेसरा और निर्मल कुमार पांडे हैं।

टेम्प्सेंस इंस्ट्रूमेंट्स इंडिया 35.37 करोड़ रुपये के नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी के विद्युत तापन समाधानों और विशेष केबल समाधानों के लिए कुछ पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण के लिए करेगी। इसके अलावा 55 करोड़ रुपये कंपनी के कुछ उधारों के पूर्व-भुगतान या पूर्ण या आंशिक पुनर्भुगतान, और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जाएंगे। यह इश्यू सेबी आईसीडीआर विनियमों के अनुरूप बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से लाया जा रहा है, जिसमें 50 फीसदी तक योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के लिए कम से कम 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) के लिए और कम से कम 35 फीसदी खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (आरआईआई) के लिए आरक्षित है। वडोदरा की कंपनी टेम्प्सेंस इंस्ट्रूमेंट्स इंडिया 1990 में स्थापित यह एक थर्मल इंजीनियरिंग और विशेष केबल निर्माता कंपनी है, जो अनुकूलित तापमान संवेदन समाधान, विद्युत तापन समाधान और विशेष केबल के डिजाइन और निर्माण में लगी हुई है।

सरकार ने पीपीएफ समेत लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरों में नहीं किया बदलाव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एक अक्टूबर से शुरू होने वाली तीसरी तिमाही के लिए पीपीएफ और राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र सहित विभिन्न लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया। यह लगातार सातवीं तिमाही है, जब लघु बचत योजनाओं के लिए ब्याज दरों को यथावत रखा गया है। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (1 अक्टूबर से 31 दिसंबर) के लिए विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें दूसरी तिमाही के लिए अधिसूचित दरों पर बनी रहेंगी। अधिसूचना के मुताबिक सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा पर 8.2 फीसदी की ब्याज दर मिलेगी, जबकि तीन साल की सावधि जमा पर ब्याज दर चालू तिमाही में मौजूदा 7.1 फीसदी पर

बरकरार रहेगा। नौकरीपेशा में लोकप्रिय लोक भविष्य निधि (पीपीएफ) और डाकघर बचत जमा योजनाओं की ब्याज दरें भी क्रमशः 7.1 फीसदी और चार फीसदी पर बरकरार रहेगी। मंत्रालय के मुताबिक किसान विकास पत्र पर ब्याज दर 7.5 फीसदी होगी और निवेश 115 महीनों में परिपक्व होगा। राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी) पर ब्याज की दर अक्टूबर-दिसंबर की अवधि के लिए 7.7 फीसदी पर बनी रहेगी। जुलाई-सितंबर तिमाही की तरह चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के दौरान भी मासिक आय योजना में निवेश पर 7.4 फीसदी ब्याज मिलेगा। इसके साथ ही मुख्य रूप से डाकघरों और बैंकों के द्वारा संचालित लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों को लगातार सातवीं तिमाही में अपरिवर्तित रखा गया है। सरकार ने पिछली बार वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के लिए कुछ योजनाओं के ब्याज में बदलाव किए थे। भारत सरकार हर तिमाही लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों की अधिसूचना जारी करती है।

डीजीसीए ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को दिया एयरपोर्ट लाइसेंस

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। विमानन नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआईए) को एयरपोर्ट का लाइसेंस प्रदान कर दिया है। एनएमआईए मुंबई महानगर क्षेत्र का दूसरा हवाई अड्डा होगा। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (एनएमआईएएल) ने जारी एक बयान में कहा, ''नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से लाइसेंस मिलने के साथ ही नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। एयरपोर्ट संचालक ने कहा कि कड़ी सुरक्षा और नियामक आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद प्रदान किया गया यह लाइसेंस परिचालन शुरू करने के लिए एक आवश्यक शर्त है।'' एनएमआईएएल ने कहा कि एयरपोर्ट का लाइसेंस मिलने के साथ एनएमआईए क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय संपर्क बढ़ाने और नवी मुंबई को दुनिया के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले एक आधुनिक प्रवेश द्वार की स्थापना के अपने दृष्टिकोण के और करीब पहुंच गया है। उल्लेखनीय है कि इस एयरपोर्ट का अडानी समूह और महाराष्ट्र नगर विकास प्राधिकरण सिडको पांच चरणों में विकास कर रहा है। प्रारंभिक चरण में प्रति वर्ष 2 करोड़ यात्रियों (एमपीपीए) की क्षमता और 5 लाख मीट्रिक टन (एमएमटी) कार्गो की ढुलाई की क्षमता होने की उम्मीद है।

टू कलर्स की स्टॉक मार्केट में निराशाजनक शुरुआत, फ्लैट लिस्टिंग के बाद बना बिकवाली का दबाव

एजेंसी

नई दिल्ली। डिजिटल टेक्सटाइल प्रिंटिंग इंडस्ट्री के लिए प्रोडक्ट की सप्लाई करने वाली कंपनी टू कलर्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव की वजह से कंपनी के शेयरों पर लोअर सर्किट लग गया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 191 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 191 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण थोड़ी देर में कंपनी के शेयर गिर कर 181.45 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गए। हालांकि दोपहर 2 बजे के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण शेयर का लोअर सर्किट ब्रेक हो गया। इसके बावजूद कंपनी के शेयर ज्यादा बढ़त नहीं बना सके। पूरे दिन के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 183.05 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 4.16 प्रतिशत के नुकसान का सामना करना पड़ा। टू कलर्स का 127.96 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 25 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 45.46 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 43.41 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 50.58 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 44.42 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ

के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 102.44 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं।

इसके अलावा 10 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 3.92 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 8.25 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 24.69 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 45 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 234.05 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी पर कर्ज के बोझ में उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी का कर्ज 20.04 करोड़ रुपये, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में बढ़ कर 56.56 करोड़ रुपये हो गया। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 के आखिर में कंपनी का कर्ज घट कर 47.51 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें, तो वित्त वर्ष 2022-23 के आखिरी में ये 5.90 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिरी में बढ़ कर 14.14 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 के आखिरी में उछल कर 36.50 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

ड्रोन विरोधी अभ्यास में डेनमार्क की मदद करेगा यूक्रेन

एजेंसी

कोपेनहेगन। यूरोप में हाल ही में कथित रूसी वायुसीमा उल्लंघनों की घटनाओं के बीच डेनमार्क में सुरक्षा तैयारियों को मजबूत किया जा रहा है। इसी कड़ी में यूक्रेन ने अपने ड्रोन-विरोधी युद्ध विशेषज्ञों की एक टीम डेनमार्क भेजी है। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि यह दल सहयोगी देशों के साथ संयुक्त अभ्यासों में भाग लेगा और अपने अनुभव साझा करेगा। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर लिखा, हमारे विशेषज्ञों का समूह डेनमार्क में मिशन शुरू कर चुका है। यूरोप में ड्रोन से निपटने का सबसे प्रासंगिक अनुभव आज यूक्रेन के पास है और हम उसे साझा करेंगे। उधर, पोलैंड ने भी डेनमार्क की मदद के लिए अपने सैन्य विशेषज्ञ भेजने की घोषणा की है। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने कहा, हमें संतोष है कि डेनमार्क सरकार ने यूरोपीय शिखर सम्मेलन की सुरक्षा के लिए पोलिश सैनिकों से मदद का अनुरोध किया है और हमने उसे स्वीकार कर लिया है। डेनमार्क इन दिनों यूरोपीय नेताओं की मेजबानी की तैयारी कर रहा है और ऐसे में यह सुरक्षा सहयोग विशेष रूप से अहम माना जा रहा है।

इजराइल समर्थित मिलिशिया समूहों से गाजा शांति योजना पर खतरा

गाजा। गाजा में इजराइल समर्थित सशस्त्र मिलिशिया और गिरोहों का बढ़ता दखल वहां की मानवीय स्थिति को और बिगाड़ रहा है तथा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई शांति योजना के लागू होने की संभावनाओं को भी चुनौती दे रहा है। पिछले कुछ महीनों से इजराइली सेना और सुरक्षा एजेंसियां गाजा में कुछ स्थानीय समूहों को हथियार और प्रशिक्षण देकर एक वैकल्पिक ताकत के रूप में तैयार कर रही हैं। इनका मकसद हमास का विकल्प खड़ा करना बताया जा रहा है। हाल के हफ्तों में यह रणनीति और तेज हो गई है। 'पॉपुलर फोर्सेज' नामक एक समूह, जिसका नेतृत्व यासिर अबू शबाब कर रहा है, गाजा के दक्षिणी हिस्सों में सक्रिय है। यह समूह गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन नामक संगठन द्वारा संचालित विवादास्पद राहत वितरण केंद्रों पर इजराइली बलों के साथ मिलकर काम कर रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, अब गाजा के अलग-अलग हिस्सों में दर्जनभर नए मिलिशिया समूह भी उभर आए हैं। खान यूनिस इलाके में सक्रिय नए संगठन के नेता होस्साम अल-अस्तल ने कहा, लोग हमास से डरते हैं। लेकिन अब गाजा में उनके विकल्प मौजूद हैं। चाहे मैं रहूं या अबू शबाब, अब विकल्प हैं। मैं अपने शहर की रक्षा के लिए शैतान से भी हाथ मिला सकता हूं। हमास को गाजा छोड़ना ही होगा।

रूस का यूक्रेन के डोनेत्स्क क्षेत्र में दो गांवों पर कब्जा करने का दावा

मॉस्को। रूस ने दावा किया है कि उसके सैनिकों ने यूक्रेन के पूर्वी डोनेत्स्क क्षेत्र में शैंड्रिहोलोवे और ज़ारिच्ने नामक दो गांवों पर कब्जा कर लिया है। ये दोनों गांव स्लावयांस्क शहर के पूर्वोत्तर में स्थित हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय के सोमवार देर रात दापी एक बयान के मुताबिक उसके सैनिकों के साहसी और निर्णायक कार्रवाइयों से ज़ारिच्ने पर कब्जा किया। उसने इसके लिए लिए अपने सैनिको को बधाई दी। मंत्रालय ने शैंड्रिहोलोवे में रूसी सैनिकों के इमारतों से गुजरते हुए और रूसी झंडा फहराते हुए एक वीडियो भी जारी किया है। इस बीच यूक्रेनी अधिकारियों ने शैंड्रिहोलोवे और ज़ारिच्ने से संबंधित रूसी दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की। हालांकि राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा कि डोनेत्स्क क्षेत्र के डोब्रोपिल्या के पास यूक्रेन का जवाबी हमला जारी है जिसमें लगभग 175 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को रूसी कब्जे से वापस हासिल कर लिया गया है। यूक्रेन के शीर्ष कमांडर ओलेक्सांद्र सिरस्की ने टेलीग्राम पर इस अभियान के बारे में जानकारी साझा की है। राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने कहा कि पॉक्रोवस्क के प्रमुख लॉजिस्टिक्स केंद्र डोब्रोपिल्या पर रूस के खिलाफ जवाबी हमला जारी है और हमने 175 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को वापस ले लिया है। उन्होंने खार्किव क्षेत्र के पूर्वोत्तर में कुपयांस्क, डोनेत्स्क तथा डिनप्रोपेट्रोवस्क क्षेत्रों के कुछ हिस्सों में स्थिति को काफी मुश्किल बताया। हालांकि उन्होंने कहा कि यूक्रेनी सैनिक रक्षा के लिए सब कुछ कर रहे हैं।

बलोचिस्तान के गांवों से पाकिस्तान की सेना उठा ले गई 50 से ज्यादा लोग

क्वेटा (बलोचिस्तान)। पाकिस्तान की सेना ने आजादी की मांग कर रहे बलोचिस्तान में बड़ा तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान 50 से ज्यादा लोगों को अपने साथ ले गए। इस अभियान को मस्तुंग जिले के दश्त-ए-असूर के कोलपुर इलाके में अंजाम दिया गया। आरोप है कि सुरक्षाबलों ने कुछ ग्रामीणों के साथ मारपीट भी की द बलोचिस्तान पोस्ट (पश्तो भाषा) की सोमवार की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को पाकिस्तान की सेना ने कोलपुर में बड़े पैमाने पर अभियान चलाया। इस बीच, सीटीडी, खुफिया एजेंसी के अधिकारियों और पुलिस ने इलाके को घेर लिया और घरों की तलाशी ली। क्षेत्रीय सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा बलों ने जुमा खान गांव, बंगालजई गांव और सरपारा गांव के घरों में घुसकर निवासियों पर अत्याचार किया। सूत्रों का कहना है कि इस दौरान 50 से अधिक पुरुष और युवकों को हिरासत में लेकर अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। दश्त से हिरासत में लिए गए लोगों के रिश्तेदारों के अनुसार, उन्हें सोमवार को सूचना मिली।

एच-1बी वीजा पर कार्रवाई से भारत में अपना परिचालन स्थानांतरित करेंगी अमेरिकी कंपनियां - रिपोर्ट

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एच-1बी वीजा कार्यक्रम में महत्वपूर्ण कटौती करने और इसके नियमों में संशोधन करने संबंधी घोषणा पर हस्ताक्षर करने के कुछ दिनों बाद, एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इन कदमों से अमेरिकी कंपनियों का महत्वपूर्ण काम भारत में स्थानांतरित होने में तेजी आएगी। रिपोर्ट में डेलॉइट इंडिया के पार्टनर और जीसीसी उद्योग के प्रमुख रोहन लोबो के हवाले से कहा गया है, उन्हें कई अमेरिकी कंपनियों के बारे में पता है जो अपनी कार्यबल आवश्यकताओं का पुनर्मूल्यांकन कर रही हैं। लेख में आगे कहा गया है कि इस बदलाव के लिए योजनाएं पहले से ही चल रही हैं, जो वित्तीय सेवाओं और तकनीक जैसे क्षेत्रों में, और विशेष रूप से अमेरिकी संघीय अनुबंधों से जुड़ी कंपनियों में अधिक गतिविधि की ओर इशारा करती हैं। जीसीसी इस समय के लिए विशिष्ट रूप से तैयार हैं। वे एक तैयार

आंतरिक इंजन के रूप में काम करते हैं। लेख में आगे बताया गया है कि यदि नए वीजा प्रतिबंधों को चुनौती नहीं दी जाती है तो उद्योग विशेषज्ञों को उम्मीद है कि अमेरिकी कंपनियां एआई, उत्पाद विकास, साइबर सुरक्षा और एनालिटिक्स से जुड़े उच्च-स्तरीय कार्यों को अपने भारत स्थित जीसीसी में स्थानांतरित कर देंगी, और रणनीतिक कार्यों को आउटसोर्सिंग के बजाय आंतरिक रूप से ही रखने का विकल्प चुनेंगी। 19 सितंबर को ट्रंप ने एच-1बी वीजा पर नकेल कसने वाले एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए, जिसमें प्रत्येक नए आवेदन के लिए 100,000 डॉलर का शुल्क लगाने की घोषणा की गई। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। इस घोषणापत्र से भारी भ्रम की स्थिति पैदा हो गई क्योंकि ऐसा लग रहा था कि इसका असर मौजूदा एच-1बी वीजा धारकों पर पड़ेगा, जिन्हें अमेरिका लौटने में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। व्हाइट हाउस ने आईएएनएस को एक स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि यह एकमुश्त शुल्क है, जो केवल नए वीजा पर लागू होता है, नवीनीकरण या मौजूदा वीजा धारकों पर नहीं। कुछ दिनों बाद अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने भी एच-1बी वीजा प्रक्रिया को नियंत्रित करने वाले अपने नियमों में संशोधन करने का प्रस्ताव रखा।

कांगो के पूर्व राष्ट्रपति कबीला को सैन्य अदालत ने उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई

एजेंसी

किन्शासा। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) के पूर्व राष्ट्रपति जोसेफ काबिला को एक सैन्य अदालत ने अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई। अदालत ने उन्हें युद्ध अपराध, देशद्रोह और मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी ठहराया। मामला पूर्वी कांगो में रवांडा समर्थित एम23 विद्रोहियों को समर्थन देने से जुड़ा है।

अदालत के अनुसार, काबिला पर हत्या, यौन हिंसा, यातना और विद्रोह भड़काने जैसे गंभीर आरोप सिद्ध हुए। सुनवाई के दौरान न तो काबिला मौजूद थे और न ही उनका कोई वकील। अदालत ने उन्हें राज्य और पीड़ितों को लगभग 50 अरब डॉलर का मुआवजा अदा करने का भी आदेश दिया। काबिला ने 2001 से 2019 तक कांगो पर शासन किया और 2019 में जनआंदोलन के दबाव में पद छोड़ा। वे हाल के महीनों में ज्यादातर दक्षिण अफ्रीका में रहे हैं, हालांकि मई में वे पूर्वी कांगो के गोमा शहर में विद्रोहियों के बीच दिखाई दिए थे। वर्तमान राष्ट्रपति फेलिक्स त्शिसेकेदी ने उन पर एम23 विद्रोहियों को प्रायोजित करने का आरोप लगाया था। एम23 इस समय नॉर्थ और साउथ किवु प्रांतों के बड़े हिस्से पर कब्जा किए हुए हैं। इस संघर्ष में हजारों लोग मारे गए और लाखों विस्थापित हुए। विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला देश में और अधिक राजनीतिक अस्थिरता और विभाजन को जन्म दे सकता है।

पीओके में पाकिस्तान सरकार के खिलाफ आंदोलन दूसरे दिन भी रहा जारी

एजेंसी

मुजफ्फराबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तानी सरकार के विरोध में प्रदर्शन के दूसरे दिन भी हिंसा का दौर जारी रहा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुजफ्फराबाद, मीरपुर और कोटली में हुए हिंसक प्रदर्शनों में अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। सोमवार को सुरक्षाबलों की गोलीबारी में दो प्रदर्शनकारी मारे गए जबकि एक व्यक्ति के आज मारे जाने की खबर है। अब तक के प्रदर्शनों में 22 से अधिक लोग घायल हुए हैं। अवामी एक्शन कमिटी (एएसी) की अगुवाई में होने वाले इस आंदोलन के कारण पीओके में पूर्ण लॉकडाउन की स्थिति है और यहां इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं पूरी तरह से ठप हैं। प्रदर्शनकारी आर्थिक शोषण, महंगाई, भ्रष्टाचार और बुनियादी अधिकारों की मांगों को पूरा किए जाने के लिए सड़कों पर उतरे हैं। एएसी की 38-सूत्री मांगों में सस्ती बिजली, आटा, मंगल डैम और नीलम-झेलम परियोजनाओं से होने वाले लाभ का स्थानीय हिस्सा आदि मांगें शामिल हैं।

एक प्रदर्शनकारी के अनुसार, पाकिस्तान ने दशकों से हमें लूटा है। अब हम चुप नहीं रहेंगे। एक वीडियो फुटेज में दर्जनों लोग मिलकर उन कंटेनरों को नदी में फेंक रहे थे जो सुरक्षा बलों ने सड़कों को अवरुद्ध करने के लिए रखे थे। इस बीच पाकिस्तानी सरकार ने प्रदर्शनकारियो से निपटने के लिए पंजाब से 2,000 सैनिक, इस्लामाबाद

से 1,000 पुलिसकर्मी और अर्द्धसैनिक बलों की 167 प्लाटून तैनात की है। इसके अलावा पाक रेंजर्स ने भी आंदोलनकारियों के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है सोशल मीडिया मंच एक्स पर वायरल एक वीडियो में मीरपुर में गोलीबारी के बाद गिरे हुए खाली कारतूस दिखाए गए। एक अन्य पोस्ट में कहा गया, हिंसा में 22 लोग मारे गए लेकिन आधिकारिक तौर पर इन्हें घायल बताया जा रहा हैं।

चीन को टक्कर देने के लिए अमेरिका-फ्रांस ने मिलकर बढ़ाए जासूसी उपग्रह अभियान

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका और फ्रांस अपने सहयोगी जासूसी उपग्रह अभियानों को और आगे बढ़ाते हुए जल्द ही दूसरी संयुक्त मिशन की योजना बना रहे हैं। यह पहल ऐसे समय में हो रही है जब चीन अंतरिक्ष में अपनी सैन्य मौजूदगी तेजी से बढ़ा रहा है और वैश्विक स्तर पर नई स्पेस रेस की स्थिति बन गई है।

अमेरिकी स्पेस कमांड के वरिष्ठ अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल डगलस शीश ने बताया कि फ्रांस के साथ यह होने वाला अभियान अमेरिका का किसी सहयोगी देश के साथ तीसरा संयुक्त अंतरिक्ष मिशन होगा। इससे पहले अमेरिका ने पिछले साल फ्रांस के साथ और इस माह ब्रिटेन के साथ कक्षा में संयुक्त ऑपरेशन किए थे। अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए यह रणनीतिक रूप से अहम है, क्योंकि उपग्रह अब संचार, मिसाइल चेतावनी और युद्धक्षेत्र खुफिया जैसे अहम क्षेत्रों की रीढ़ बन चुके हैं। चीन, रूस और अमेरिका पहले ही उपग्रहों को निशाना बनाने की क्षमता दिखा चुके हैं। इस स्थिति में किसी संघर्ष के दौरान जीपीएस प्रणाली ठप करने या संचार चैनलों को बाधित

करने का खतरा बना रहता है। पहला अमेरिका-फ्रांस ऑपरेशन एक रेंडेज़वस और प्रॉक्सिमिटी ऑपरेशन था, जिसमें दोनों देशों के सैन्य उपग्रह एक प्रतिद्वंद्वी राष्ट्र के उपग्रह के निकट पहुँचे थे। जबकि हालिया अमेरिका-यूके ऑपरेशन (4-12 सितम्बर) में अमेरिकी उपग्रह ने ब्रिटेन के स्यङ्ङहश्वञ्ज 5 संचार उपग्रह की कक्षा में स्थिति की पुष्टि की। फ्रांस यूरोप में अंतरिक्ष पर सबसे अधिक खर्च करने वाला देश है और उसके सैन्य अधिकारी मानते हैं कि इस प्रकार के अभ्यास वास्तविक परिदृश्य के लिए आवश्यक तैयारी हैं। पश्चिमी देशों के सैन्य विशेषज्ञ लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि बढ़ते खतरों से न केवल सैन्य उपग्रह बल्कि व्यावसायिक उपग्रह नेटवर्क जैसे स्पेसएक्स का Starlink भी निशाने पर आ सकते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप से मुकदमे के निपटान के लिए यूट्यूब 2.45 करोड़ डॉलर देने पर सहमत

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यूट्यूब अकाउंट निलंबन से जुड़े मुकदमे के निपटान के लिए यूट्यूब उन्हें दो करोड़ 45 लाख डॉलर (लगभग 217 करोड़ रुपये) का भुगतान करेगा। यह मुकदमा जनवरी 2021 में अमेरिकी कैपिटल हिल दंगे के बाद ट्रंप के यूट्यूब चैनल निलंबित किए जाने से जुड़ा था इस बीच सैन फ्रांसिस्कों स्थित उत्तरी कैलिफोर्निया के केंद्रीय जिला कोर्ट में दाखिल दस्तावेजों के अनुसार यह समझौता ट्रंप और अन्य याचिकाकर्ताओं के साथ किया गया है जिसके मुताबिक दो करोड़ 45 लाख डालर ट्रंप को दिए जाएंगे।

ट्रंप ने जुलाई 2021 में यूट्यूब, फेसबुक (मेटा) और ट्विटर (अब एक्स) के खिलाफ मुकदमा दायर किया था जिसमें आरोप लगाया गया था कि इन सोशल मीडिया मंचों ने उनके रूढ़िवादी विचारों को अनुचित रूप से दबाया जो अभिव्यक्ति की

आजादी का उल्लंघन है। इस बीच यूट्यूब के एक बयान के मुताबिक वह अपने प्लेटफॉर्म पर रूढ़िवादी विचारों का सम्मान करता है। बयान के मुताबिक ट्रंप के अकाउंट को पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कहने पर निलंबित किया गया था। समझौते के अनुसार ट्रंप को मिलने वाली दो करोड़ 20 लाख डालर की राशि का उपयोग व्हाइट हाउस में एक नए स्टेट बॉलरूम के निर्माण के लिए किया जाएगा जो राष्ट्रीय मॉल ट्रस्ट को दान के रूप में दिया जाएगा। शेष राशि अन्य याचिकाकर्ताओं के बीच वितरित की जाएगी जिसमें अमेरिकन कंजर्वेटिव यूनियन, लेखिका नाओमी वुल्फ और अन्य शामिल हैं। इनके अकाउंट भी निलंबित किए गए थे। यह समझौता ट्रंप की कानूनी जीतों की लंबी फेहरिस्त में शामिल हो गया है। जनवरी में मेटा ने दो करोड़ पांच लाख डालर और फरवरी में एक्स ने एक करोड़ डॉलर का भुगतान कर ऐसे ही मुकदमे सुलझाए। इस बीच ट्रंप के वकील जॉन कोले ने कहा कि यदि ट्रंप पुनः निर्वाचित न होते तो हम कोर्ट में सदियों तक लड़ते रहते। हालांकि यूट्यूब ने अभी इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं की। ट्रंप के अकाउंट को 2023 में बहाल कर दिया गया था।

बुआलोई तूफान से वियतनाम में अब तक 19 लोगों की मौत

एजेंसी

हनोई। वियतनाम के उत्तरी हिस्से में भारी तबाही मचाते हुए तूफान बुआलोई से जुड़ी विभिन्न घटनाओं में देश में मरने वालो लोगों की संख्या मंगलवार को बढ़कर 19 हो गई जबकि हनोई समेत कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तूफान के कारण देश में अब तक 19 लोगों की मौत हो गयी है। इस दौरान हुई मूसलाधार बारिश ने हनोई सहित कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति पैदा कर दी है जिससे उड़ानें और ट्रेन सेवाएं बाधित हो गई हैं। क्षेत्र में स्कूल बंद हैं और हजारों घर जलमग्न हो चुके हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अब तक 88 लोग घायल हुए हैं जबकि 21 अन्य लापता हैं। बुआलोई ने नघे अन और हा तिन्ह प्रांत को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है जहां एक लाख से ज्यादा घर क्षतिग्रस्त हो गए। यहां लगभग 10 हजार हेक्टेयर से अधिक धान और अन्य फसलें बर्बाद हो गईं। तूफान ने देश के केंद्रीय तट पर

दस्तक दी थी जहां 145 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाओं ने आम जीवन ठप कर दिया। गौरतलब है कि वियतनाम की लंबी तट रेखा दक्षिण चीन सागर की ओर होने से यह क्षेत्र तूफानों के लिए अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है। इससे पहले बुआलोई के कारण फिलीपींस में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई।

अमेरिका सरकारी शटडाउन के करीब, व्हाइट हाउस में बैठक बेनतीजा

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका सरकारी शटडाउन के बिलकुल करीब पहुंच गया है। पहली अक्टूबर तक धन का इंतजाम नहीं हो पाया तो घड़ी में आधी रात की सूई का कांटा पार करते ही सरकार के बे-पटरी होने के खतरे को टालना मुश्किल होगा। अभी तक रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स इस बात पर असहमत हैं कि सरकार को कैसे वित्तपोषित किया जाए। व्हाइट हाउस में सोमवार को हुई बैठक के बाद कांग्रेस नेताओं ने बताया कि इस मसले में कोई खास प्रगति नहीं हुई है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस बैठक के फौरन बाद कहा, मुझे लगता है कि हम बंद की ओर बढ़ रहे हैं। न्यूयॉर्क से डेमोक्रेट, सीनेट के अल्पसंख्यक नेता चक शूमर ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच बहुत बड़े मतभेद हैं। डेमोक्रेट स्वास्थ्य सेवा सब्सिडी बढ़ाने पर

जोर दे रहे हैं, जबकि रिपब्लिकन मौजूदा वित्त पोषण स्तर को सात हफ्तों के लिए बढ़ाना चाहते हैं। सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने कहा कि शूमर और अल्पसंख्यक नेता हकीम जेफ्रीज साधारण तथ्यों को स्वीकार करने से इनकार करते हैं। सीनेट के बहुमत नेता जॉन थून ने डेमोक्रेट्स पर बंधक बनाने और विनियोग प्रक्रिया को हाईजैक करने का आरोप लगाया। रिपब्लिकन नेताओं ने कहा कि डेमोक्रेटिक सीनेटरों को धन के लिए सदन से पारित विधेयक का समर्थन करना चाहिए।

सीबीएस न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों पक्षों के अपनी-अपनी जगह से आगे न बढ़ने और प्रगति की स्पष्ट कमी के कारण बुधवार रात 12 बजे से शुरू होने वाले शटडाउन से बचने के लिए अब बहुत कम विकल्प बचे हैं। सीनेट सदन के विधेयक पर फिर से मतदान करने की योजना बना रही है। इस मतभेद की खाई को एक कथित फर्जी वीडियो ने और चौड़ा कर दिया है। व्हाइट हाउस में कांग्रेस के दो शीर्ष डेमोक्रेट सदस्यों के साथ बैठक के कुछ ही घंटों बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर सांसदों का मजाक उड़ाते एक फर्जी वीडियो पोस्ट किया। माना जा रहा है कि इसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से बनाया गया है। इसमें शूमर और जेफ्रीज़ व्हाइट हाउस के बाहर खड़े दिखाई दे रहे हैं। इस क्लिप में शूमर का एक फर्जी ऑडियो है जिसमें वे दावा कर रहे हैं कि डेमोक्रेट्स की योजना इन सभी अवैध विदेशियों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की है। पृष्ठभूमि में मैक्सिकन हैट डांस बज रहा है। जेफ्रीज ने वीडियो को घृणित बताया और कहा, कट्टरता आपको कहीं नहीं ले जाएगी।

ढाई साल की आर्यतारा शाक्य बनीं नेपाल की जीवित देवी कुमारी, आसान ग्रहण कराया गया

एजेंसी

काठमांडू। ढाई साल की आर्यतारा शाक्य जीवित देवी कुमारी बन गई हैं। शाक्य समुदाय के 16 भवनों में से इतुम्बाहाल भवन के लिए उनका चयन किया गया है। उनके पिता अनंत शाक्य, माता प्रतिष्ठा शाक्य और बहन परमिता शाक्य हैं। काठमांडू के ऐतिहासिक कुमारी घर में अष्टमी के दिन आर्यतारा की पूजा कर परंपरागत तरीके से आसान ग्रहण कराया गया। आर्या तारा कुमारी तृष्णा शाक्य की वर्तमान उत्तराधिकारी हैं। परंपरा के अनुसार निवर्तमान कुमारी देवी तृष्णा का रजस्वला होने के साथ ही उनकी विदाई की गई। रजस्वला होने के साथ ही तृष्णा शाक्य के कार्यकाल की समाप्ति के बाद उसे विशेष प्रार्थनाओं और संगीत वाद्ययंत्रों के साथ डोली में बिठा कर घर ले जाया गया और पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार विदाई दी गई। जीवित देवी कुमारी को हिंदू देवी तलेजू भवानी का जीवित

अवतार माना जाता है। चयन प्रक्रिया प्राचीन तांत्रिक विधियों और ज्योतिषीय मूल्यांकन पर आधारित होती है। इसमें एक पंचांग समिति, तलेजू के मूल पुजारी, गुठी प्रतिनिधि और ज्योतिषी शामिल होते हैं। जीवित देवी कुमारी बनने के लिए शर्त है कि वह शाक्य वंश से होनी चाहिए और माता-पिता दोनों काठमांडू के स्थानीय शाक्य समुदाय से होने चाहिए। कुमारी बनने के लिए उनकी शारीरिक और धार्मिक गुणों को विशेष महत्व दिया जाता है। परंपरा के अनुसार एक कुंवारी लड़की में 32 गुण होने की उम्मीद की जाती है, जिनमें सुंदरता, शारीरिक शुद्धता, शांत स्वभाव, दिव्य गुण, शरीर पर किसी भी घाव या दाग का न होना, पूर्ण दांत और असाधारण निर्भयता शामिल हैं। आर्यतारा की नियुक्ति नेपाल की सदियों पुरानी अनूठी परंपरा का हिस्सा है। जीवित देवी कुमारी की पूजा हिंदू और बौद्ध दोनों ही करते हैं और राष्ट्रीय सांस्कृतिक और धार्मिक जीवन में उनकी एक महत्वपूर्ण प्रतीकात्मक भूमिका है।

ऑस्ट्रेलिया में एक भारतीय यौन उत्पीड़न के मामले में दोषी पाया गया

एजेंसी

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया की एक अदालत ने विक्टोरिया के हॉर्सहम शहर स्थित एक लोकप्रिय भारतीय फ्यूजन रेस्तरां के मालिक गुणसीलन मनोहरन को एक नाबालिग और एक वयस्क महिला से जुड़े यौन उत्पीड़न के कई मामलों में दोषी ठहराया है।

अदालत आगामी 12 नवंबर को मनोहरन को सजा पर फैसला सुनाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बैलरैट काउंटी कोर्ट की जूरी ने 2014 में भारत से ऑस्ट्रेलिया आए मनोहरन को एक नाबालिग पर यौन उत्पीड़न के चार मामलों में और एक वयस्क महिला पर यौन अपराध के एक मामले में दोषी ठहराया है। न्यायाधीश जॉन केली 12 नवंबर को मनोहरन को सजा सुनाएंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यदि संघीय सरकार इन मामलों के चलते उसका वीज़ा रद्द करती है तो उसे निर्वासन का सामना करना पड़ सकता है।

बलोचिस्तान की राजधानी क्वेटा में बम विस्फोट, 16 की मौत

एजेंसी

क्वेटा (बलोचिस्तान)। पाकिस्तान में आजादी की मांग कर रहे बलोचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा में आज हुए बम विस्फोट में कम से कम 16 लोग मारे गए और 30 से अधिक घायल हो गए। घायलों में अधिकांश की स्थिति गंभीर है। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह विस्फोट फ्रंटियर कांस्टेबुलरी या फ्रंटियर कोर (एफसी) मुख्यालय के पास व्यस्त सड़क पर हुआ। यह जानकारी प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने दी। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, बलोचिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री बख्त काकर ने कहा कि आज क्वेटा के पिशिन स्टॉप के पास एक आत्मघाती बम विस्फोट और गोलीबारी में फ्रंटियर कोर के दो कर्मियों और आठ नागरिकों सहित कम से कम 16 लोग मारे गए। उन्होंने बताया कि महिलाओं और बच्चों सहित 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं। उन्हें क्वेटा के सिविल अस्पताल ले जाया गया।

अस्पताल में छह लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। काकर ने बताया कि मारे गए छह आतंकवादियों के पास से सूखा खाना और अन्य सामान बरामद किया गया है। इससे पता चलता है कि उन्होंने फ्रंटियर कोर मुख्यालय में घुसने के बाद लंबी मुठभेड़ की योजना बनाई थी। स्वास्थ्य मंत्री काकर के अनुसार, हमलावर दो वाहनों में सवार होकर आए थे।

एक वाहन को एक बैरियर के पास आत्मघाती हमले में उड़ा दिया गया, जबकि दूसरे ने मुख्यालय में घुसने की कोशिश की, लेकिन चौकी पर तैनात कर्मियों ने उसे रोक लिया। गोलीबारी में एफसी के दो कर्मी मारे गए। अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि आसपास की इमारतों की खिड़कियां और दरवाजे टूट गए।

राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने क्वेटा में हुए आत्मघाती हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने आतंकवादियों के दुर्भावनापूर्ण इरादों को विफल करने में सुरक्षा बलों की समय पर और प्रभावी प्रतिक्रिया के लिए उनकी सराहना की। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आतंकवादियों को मार गिराने के लिए सुरक्षा बलों की प्रशंसा की। एक बयान में प्रधानमंत्री ने हमले में घायल कर्मियों और नागरिकों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने क्वेटा विस्फोट की कड़ी निंदा की और सुरक्षा बलों की त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस अभियान में चार आतंकवादियों को मार गिराया गया।

गेहूं की खेती की वैज्ञानिक तकनीक

गेहूं की खेती हेतु बुवाई सीड ड्रिल या देशी हल (केरा या पोरा) से ही करनी चाहिए छिड़काव विधि से बोने से बीज ज्यादा लगता है तथा जमाव कम, निकाई-गुड़ाई में असुविधा तथा असमान पौध संख्या होने से पैदावार कम हो जाती है सीड ड्रिल की बुवाई से बीज की गहराई और पंक्तियों की दूरी नियन्त्रित रहती है तथा इससे जमाव अच्छा होता है विभिन्न परिस्थितियों में बुवाई हेतु फर्टी-सीड ड्रिल (बीज एवं उर्वरक एक साथ बोने हेतु), जीरो टिल ड्रिल (जीरो टिलेज या शून्य कर्षण में बुवाई हेतु), फर्ब ड्रिल (फर्ब बुवाई हेतु) आदि मशीनों का प्रचलन बढ़ रहा है

हमारे देश का गेहूं की खेती और उत्पादन में प्रमुख स्थान है पंजाब, हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश इसके मुख्य उत्पादक राज्य हैं भारत देश आज 8 करोड़ टन से अधिक गेहूं का उत्पादन कर रहा है हालांकि, देश की बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए गेहूं उत्पादन में वृद्धि की और अधिक आवश्यकता है इसके लिए गेहूं की उन्नत उत्पादन तकनीकियों को अपनाने की आवश्यकता है।

इन तकनीकियों में किस्मों का चुनाव, बोने की विधियां, बीज दर, पोषक तत्व प्रबंधन, सिंचाई प्रबन्धन, खरपतवार नियन्त्रण तथा फसल संरक्षण आदि प्रमुख है इस लेख में गेहूं की खेती की वैज्ञानिक तकनीक का उल्लेख किया गया है।

गेहूं के बीज अंकुरण के लिए 20 से 25 डिग्री सेन्टीग्रेड तापमान उचित रहता है गेहूं की बढवार के लिए 2 डिग्री सेन्टीग्रेड से अधिक तापमान होने पर विपरीत प्रभाव होता है और पौधो की सुचारू रूप से बढवार नहीं हो पाती है, क्योंकि तापमान अधिक होने से उत्स्वेदन प्रक्रिया द्वारा अधिक उर्जा की क्षति होती है तथा बढवार कम रह जाती है जिसका फसल उत्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ता है फूल आने के समय कम तथा अधिक तापमान हानिकारक होता है।

सिंचाई के क्षेत्रों में गेहूं की खेती हर प्रकार की भूमि में की जा सकती है, किन्तु अच्छी पैदावार के लिए बलुई दोमट मिट्टी से चिकनी दोमट समतल एवं जल निकास वाली उपजाऊ भूमि अधिक उपयुक्त है गेहूं के लिये अधिक लवणीय एवं क्षारीय भूमि उपयुक्त नहीं है जहां पर एक मीटर तक कठोर पड़त हो, वहां गेहूं की खेती नहीं करनी चाहिए।

भारी मिट्टी के खेतों की तैयारी- भारी मिट्टी के खेतों में मिट्टी पलटने वाले हल से पहली जुताई गर्मी में उत्तर से दक्षिण में कर के खेत को खाली छोड़ दें वर्षा के दिनों में दो तीन बार आवश्यकतानुसार खेत की जुताई करते रहें, जिससे खेत में खरपतवार न जमें वर्षा उपरान्त एक जुताई और करके सुहागा लगा कर खेत को बोनी के लिए तैयार कर दें

हल्की मिट्टी के खेतों की तैयारी- हल्की मिट्टी वाले खेतों में गर्मी की जुताई न करें वर्षा के दिनों में तीन बार आवश्यकतानुसार जुताई करें व सुहागा लगाकार खेत को बोनी के लिये तैयार करें सिंचाई और सघन खेती वाले क्षेत्रों में उपरोक्त दोनों प्रकार की भूमि की जुताइयाँ आवश्यकतानुसार करे

उत्तर-पश्चिमी मैदानी क्षेत्रों में सिंचित दशा में गेहूं बोने का उपयुक्त समय नवम्बर का प्रथम पखवाड़ा है लेकिन उत्तरी-पूर्वी भागों में मध्य नवम्बर तक गेहूं बोया जा सकता है देर से बोने के लिए उत्तर-पश्चिमी मैदानों में 25 दिसम्बर के बाद तथा उत्तर-पूर्वी मैदानों में 15 दिसम्बर के बाद गेहूं की बुवाई करने से उपज में भारी हानि होती है इसी प्रकार बारानी क्षेत्रों में अक्टूबर के अन्तिम सप्ताह से नवम्बर के प्रथम सप्ताह तक बुवाई करना उत्तम रहता है यदि भूमि की ऊपरी सतह में संरक्षित नमी प्रचुर मात्रा में हो तो गेहूं की बुवाई 15 नवम्बर तक कर सकते हैं

बीज साफ, स्वस्थ एवं खरपतवारों के बीजों से रहित होना चाहिए सिकुड़े, छोटे एवं कटे-फटे बीजों को निकाल दें ना चाहिए हमेशा उन्नत, नई तथा क्षेत्र विशेष के लिए संस्तुत प्रजातियों का चयन करना चाहिए बीज दर दानों के आकार, जमाव प्रतिशत, बोने का समय, बोने की विधि और भूमि की दशा पर निर्भर करती है सामान्यत: यदि 1000 बीजों का भार 38 ग्राम है, तो एक हेक्टेयर के लिए लगभग 100 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है यदि दानों का आकार बड़ा या छोटा है, तो उसी अनुपात में बीज दर घटाई या बढ़ाई जा सकती है

इसी प्रकार सिंचित क्षेत्रों में समय से बुवाई के लिए 100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बीज पर्याप्त होता है लेकिन सिंचित क्षेत्रों में देरी से बोने के लिए 125 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बीज की आवश्यकता होती है लवणीय तथा क्षारीय मृदाओं के लिए बीज दर 125 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखनी चाहिए सदैव प्रमाणित बीजों का प्रयोग करना चाहिए और हर तीसरे वर्ष बीज बदल देना चाहिए।

गेहूं की खेती अधिक उपज के लिए बीज अच्छी किस्म का प्रमाणित ही बोना चाहिये तथा बुवाई से पहले प्रति किलोग्राम बीज को 2 ग्राम थाइम या 2.50 ग्राम मैन्कोजेब से उपचारित करना चाहिये इसके उपरान्त दीमक नियंत्रण के लिए क्लोरोपाइरीफोस की 4 मिलीलीटर मात्रा से तथा अंत में जैव उर्वरक एजोटोबैक्टर व पी एस बी कल्चर के तीन-तीन पैकिट से एक हैक्टर में प्रयोग होने वाले सम्पूर्ण बीज को उपचारित करने के बाद बीज को छाया में सूखा कर बुवाई करनी चाहिये

गेहूं की खेती हेतु बुवाई सीड ड्रिल या देशी हल (केरा या पोरा) से ही करनी चाहिए छिड़काव विधि से बोने से बीज ज्यादा लगता है तथा जमाव कम, निकाई-गुड़ाई में असुविधा तथा असमान पौध संख्या होने से पैदावार कम हो जाती है सीड ड्रिल की बुवाई से बीज की गहराई और पंक्तियों की दूरी नियन्त्रित रहती है तथा इससे जमाव अच्छा होता है विभिन्न परिस्थितियों में बुवाई हेतु फर्टी-सीड ड्रिल (बीज एवं उर्वरक एक साथ बोने हेतु), जीरो टिल ड्रिल (जीरो टिलेज या शून्य कर्षण में बुवाई हेतु), फर्ब ड्रिल (फर्ब बुवाई हेतु) आदि मशीनों का प्रचलन बढ़ रहा है

इसी प्रकार फसल अवशेष के बिना साफ किए हुए अगली फसल के बीज बोने के लिए रोटरी-टिल ड्रिल मशीन भी उपयोग में लाई जा रही है सामान्यत: गेहूं को 15 से 23 सेंटीमीटर की दूरी पर पंक्तियों में बोया जाता है पंक्तियों की दूरी मिटटी की दशा, सिंचाईयों की उपलब्धता तथा बोने के समय पर निर्भर करती है सिंचित एवं समय से बोने हेतु पंक्तियों की दूरी 23 सेंटीमीटर रखनी चाहिए देरी से बोने पर और ऊसर भूमियों में पंक्तियों की दूरी 15 से 18 सेंटीमीटर रखनी चाहिए

सामान्य दशाओं में बौनी किस्मों के गेहूं को लगभग 5 सेंटीमीटर गहरा बोना चाहिए, ज्यादा गहराई में बोने से जमाव तथा उपज पर बुरा प्रभाव पड़ता हैं बारानी क्षेत्रों में जहाँ बोने के समय भूमि में नमी कम हो वहाँ बीज को कूड़ों में बोना अच्छा रहता है बुवाई के बाद पाटा नहीं लगाना चाहिए, इससे बीज ज्यादा गहराई में पहुँच जाते हैं, जिससे जमाव अच्छा नहीं होता है

गेहूं उगाने वाले ज्यादातर क्षेत्रों में नाइट्रोजन की कमी पाई जाती है तथा फास्फोरस और पोटाश की कमी भी क्षेत्र विशेष में पाई जाती है पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में गंधक की कमी भी पाई गई है इसी प्रकार सूक्ष्म पोषक तत्वों जैसे जस्ता, मैंगनीज तथा बोरॉन की कमी गेहूं उगाये जाने वाले क्षेत्रों में देखी गई है इन सभी तत्वों की भूमि में मृदा परीक्षण को आधार मानकर आवश्यकतानुसार प्रयोग करना चाहिए लेकिन ज्यादातर किसान विभिन्न कारणों से मृदा परीक्षण नहीं करवा पाते हैं ऐसी स्थिति में गेहूं के लिए संस्तुत दर इस प्रकार है, जैसे-

समय से सिंचित दशा- में लगभग 125 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस तथा 40 से 60 किलोग्राम पोटाश की आवश्यकता होती है

विलम्ब से बुवाई- की अवस्था में तथा कम पानी की उपलब्धता वाले क्षेत्रों में समय से बुवाई की अवस्था में लगभग 20 से 40 किलोग्राम पोटाश की अधिक आवश्यकता होती है

बारानी क्षेत्रों- में समय से बुवाई करने पर 40 से 50 किलोग्राम नाइट्रोजन, 20 से 30 किलोग्राम फास्फोरस तथा 25 किलोग्राम पोटाश की आवश्यकता होती हैअसिंचित दशा में उर्वरकों को कूड़ों में बीजों से 2 से 3 सेंटीमीटर गहरा डालना चाहिए तथा बालियां आने से पहले यदि पानी बरस जाए तो 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर नाइट्रोजन का छिड़काव करना चाहिए

सिंचित दशाओं में फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा तथा नाइट्रोजन की एक तिहाई मात्रा बुवाई से पहले भूमि में अच्छे से मिला देनी चाहिए नाइट्रोजन की शेष दो तिहाई मात्रा का आधा प्रथम सिंचाई के बाद तथा शेष आधा द्वितीय सिंचाई के बाद छिड़क देना चाहिए बुवाई के 3 से 4 हफ्ते पहले 25 से 30 टन अच्छी तरह से गली-सड़ी गोबर की खाद या कम्पोस्ट मिटटी में अवश्य मिलाएं

बुवाई के पश्चात फसल की क्रान्तिको अवस्थाओं पर सिंचाई करने से 6 सिंचाई पर्याप्त होती है प्रथम सिंचाई शीर्ष जड़ जमते समय जब फसल 20 से 25 दिन की हो जाये तब करनी चाहिये दूसरी सिंचाई जब कल्ले बनने लगे तथा फसल 45 से 50 दिन की हो जाये, तीसरी सिंचाई गाँठ बनते समय बुवाई के 65 से 0 दिन बाद, चौथी सिंचाई बालियाँ निकलते समय बुवाई के 85 से 90 दिन बाद, पाँचवी सिंचाई 100 से 110 दिन बाद जब फसल दूधिया अवस्था में हो तथा अंतिम सिंचाई दाना पकते समय करनी चाहिये, जब फसल 115 से 120 दिन की हो जाये।

यदि सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता कम हो तथा चार सिंचाई ही दे सकते हो तो शीर्ष जड़ बनते समय, गाँठ बनते समय, बालियां निकलते समय और दाना पकते समय करनी चाहिये सिंचाई फुव्वारा विधि से करनी चाहिये इसमें क्यारी सिंचाई की अपेक्षा

कम पानी की आवश्यकता होती है

गेंहू की फसल के साथ अनेको खरपतवार जिनमें गोयला, चील, प्याजी, मोरवा, गुल्ली डन्डा व जंगली जई इत्यादि उगते है और पोषक तत्व, नमी व स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा कर फसल उत्पादन को काफी कम कर देते है अधिक पैदावार प्राप्त करने के लिए उचित खरपतवार नियंत्रण उचित समय पर करना बहुत ही आवश्यक है फसल के बुवाई के एक या दो दिन पश्चात तक पेन्डीमैथालीन खरपतवारनाशी की 2.50 लीटर मात्रा 500 पानी में घोल बनाकर समान रूप से छिड़काव कर देना चाहिये

यदि खेत में गुल्ली डंडा व जंगली जई का प्रकोप अधिक हो तो आइसोप्रोटूरोन या मैटाक्सिरान खरपतवारनाशी की 1 किलोग्राम मात्रा को 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव कर देना चाहिये इसके उपरान्त फसल जब 30 से 35 दिन की हो जाये तो 2, 4-डी की 50 ग्राम मात्रा को 600 से 00 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव कर देना चाहिये

गेहूं की खेती में अनेकों प्रकार के कीट जिनमें दीमक, आर्मी वर्म, एफिड एवं जैसिडस तथा चूहे नुकसान पहुँचाते है भूमि की तैयारी करते समय 20 से 25 किलोग्राम एन्डोसल्फान भुरक देना चाहिये यदि दीमक का प्रकोप खड़ी फसल में हो तो क्लोरीपाइरीफोस की 4 लीटर प्रति हेक्टेयर मात्रा सिंचाई के साथ दे देनी चाहिए रस चूसने वाले कीटो के नियंत्रण के लिए इकालक्स की 1 लीटर मात्रा का घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये

गेहूं की खेती में कई तरह की बिमारियों का भी प्रकोप होता है, जैसे- झुलसा एवं पत्ती धब्बा, रोली रोग, कण्डवा, मोल्या धब्बा के लिए मेन्कोजेब 2 किलोग्राम, रोली राग के लिए गंधक का चूर्ण 25 किलोग्राम या 2 किलोग्राम मैन्कोजेब, कन्डुले के लिए बीज का फहूंदनाशक जैसे थीरम या वीटावैक्स से उपचार, मोल्या रोग के लिए कार्बोफ्यूरोन 3 प्रतिशत रसायन व ईयर कोकल एवं टुन्डू रोग के लिए बीज को नमक के 20 प्रतिशत से उपचारित कर बुवाई करनी चाहिये चूहों के नियंत्रण हेतु एल्युमिनियम फास्फाइड या राटाफीन की गोलियां प्रयोग करनी चाहिये

जब पौधे पीले पड़ जाये तथा बालियां सूख जाये तो फसल की कटाई कर लेनी चाहिये जब दानों में 15 से 20 प्रतिशत नमी हो तो कटाई का उचित समय होता है कटाई के पश्चात् फसल को 3 से 4 दिन सूखाना चाहिये तथा मंडाई करके अनाज में जब 8 से 10 प्रतिशत नमी रह जाये तो भंडारण कर देना चाहिये।

गेहूं की फसल से उपज किस्म के चयन, खाद और उर्वरक के उचित प्रयोग और फसल की देखभाल पर निर्भर करती है लेकिन सामान्यत: उपरोक्त वैज्ञानिक विधि से खेती करने पर 40 से 0 कुन्तल प्रति हैक्टर तक अनाज की उपज प्राप्त की जा सकती है

गेहूं की श्री विधि से खेती लघु और सीमांत किसानों के लिए विशेष लाभदायी साबित हुई है, क्योंकि वे बहुत ही कम जमीन एवं सीमित संसाधनों के साथ खेती करते हैं तथा उन्हें अधिक बीज और खाद का प्रयोग किये बिना अधिक उपज की आवश्यकता होती है ऐसे में गेहूं की श्री विधि से खेती अपनाकर अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ आमदनी में भी बढ़ोतरी की जा सकती है ।

⏩ फसल की देखभाल बुआई के 25 दिनों के बाद

1. बुआई के 25 दिनों के बाद दूसरी सिंचाई देना चाहिए, क्योंकि इसके बाद से पौधों में नए कल्ले तेजी से आने शुरु होते हैं एवं नए कल्ले बनाने के लिए पौधों को अधिक नमी और पोषण की जरुरत होती है

2. सिंचाई के 2 से 3 दिन बाद पतले कुदाल या वीडर से मिट्टी को ढीला करें, साथ ही साथ खरपतवार भी निकाल दें, यह करना आवश्यक हैं, नही तो सिंचाई देने के बाद खेत में खरपतवार उगना शुरू हो जायेंगे

⏩ फसल की देखभाल बुआई के 40 दिनों के बाद

1. बुआई के 35 से 40 दिनों के बाद तीसरी सिंचाई देना चाहिए, इसके बाद से पौधे तेजी से बड़े होते हैं, साथ ही नए कल्ले भी आते रहते हैं इसके लिए पौधों को अधिक नमी एवं पोषण की जरूरत होगी

2. इसलिए सिंचाई के तुरंत बाद 15 किलोग्राम यूरिया और 13 किलोग्राम पोटाश खाद प्रति एकड़ जमीन के हिसाब से बुरकाव करें

3. सिंचाई के 2 से 3 दिन बाद पतले कुदाल या वीडर से मिट्टी को ढीला करें और खरपतवार को निकाल दें, इससे मिट्टी ढीली होगी, जड़ों को हवा मिलेगी एवं पौधे तेजी से बढ़ेंगे

⏩ फसल की देखभाल बुआई के 60 दिनों के बाद

गेहूं की फसल में अगली सिंचाई 60वें, 80वें और 100वें दिनों पर की जाती है यह समय मिट्टी के प्रकार और मौसम पर निर्भर करता है ध्यान देने की बात यह है, कि फूल आने के समय और दानों में दूध भरने के समय पानी की कमी नहीं होनी चाहिए, नहीं तो उपज में काफी कमी होती है

फूल आना और दानों में दूध भरने का समय एक महत्वपूर्ण अवस्था है, इस समय पानी की कमी बिल्कुल नहीं होनी चाहिए

इस प्रकार उपरोक्त विधि से किसान भाई गेहूं की श्री विधि से सफलतापुर्वक खेती कर सकते है, और इस गेहूं की श्री विधि खेती से गेहूं की औसत पैदावार 19 क्विंटल प्रति एकड़ पाई गई है।

(Compiled by: CM Sharma; Source: Dainik Jagriti)

गेहूं की श्री विधि से खेती क्या है ?

यह गेहूं की खेती करने का एक तरीका है, जिसमें धान की श्री विधि के सिद्धांतों का पालन करके अधिक उपज प्राप्त कि जाती है, जैसे-

1. कम बीज दर, यानि सिर्फ 10 किलोग्राम प्रति एकड़
2. बीज शोधन और बीज उपचार
3. पौधों के बीच अधिक दूरी, 8 ईच कतार से कतार और 8 इंच पौधा से पौधा
4. 2 से 3 बार खरपतवार की निकासी और वीडर से कोड़ाई
5. फसल की देखभाल सामान्य (परम्परागत) गेहूं की फसल की ही तरह की जाती है

बीज का चुनाव- गेहूं की श्री विधि से खेती के लिए किसी खास बीज की जरूरत नहीं है, आपके क्षेत्र के लिए जो उन्नत बीज अनुशंसित है, उसी का प्रयोग करें अगर आपका बीज पुराना है, तो नया बीज उपयोग में लें बीज की मात्रा 10 किलोग्राम प्रति एकड़ होती है

बीज का उपचार- गेहूं की श्री विधि से खेती हेतु 10 किलो गेहूं के बीज के उपचार के लिए निम्नलिखित सामान की जरूरत होगी, जैसे-

1. 10 किलो उन्नत किस्म के गेहूं का बीज
2. गर्म गुनगुना पानी 20 लीटर
3. केंचुआ खाद (वर्मीकम्पोस्ट) 5 किलोग्राम
4. गुड़ 4 किलोग्राम
5. गौ-मूत्र 4 लीटर
6. बाविस्टिन (कार्बन्डाजिम) फुफूदीनाशक 20 ग्राम

गेहूं की श्री विधि से खेती के लिए इस प्रकार बीज उपचार करके बीज में होने वाले रोगों से फसल को बचाया जा सकता है

गेहूं की श्री विधि से खेती के लिए बीज उपचार की विधि-

1. अपने 10 किलोग्राम बीज में से मिट्टी, कंकड़ और खराब बीजों को अलग छाँट लें
2. 20 लीटर पानी एक बर्तन में गर्म करें (60 डिग्री सेल्सियस यानी गुनगुना होने तक)
3. छाँटे हुए स्वच्छ बीजों को इस गर्म पानी में डाल दें
4. पानी के ऊपर तैर रहे बीजों को निकाल दे और बीज के लिए प्रयोग में न लाएं
5. इस पानी में 5 किलोग्राम केचुआ खाद, 4 किलोग्राम गुड़ और 4 लीटर गौमूत्र मिलाकर 8 घंटे के लिए छोड़ दें
6. अब 8 घंटे के बाद इस मिश्रण को एक कपड़े से छान लें जिससे बीज और अन्य मिश्रण घोल से अलग हो जाए, घोल के पानी को फेंक दें

. बीज और अन्य मिश्रण में बाविस्टिन (कार्बन्डाजिम) फफूदीनाशक 20 ग्राम मिलाकर 12 घंटे के लिए अंकुरित होने के लिए गीले बोरे में बांधकर छोड़ दें इसके बाद अंकुरित बीज को बोने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा

इस प्रकार का बीज उपचार बीज के बढवार की शक्ति को बढ़ाता है तथा वे तेजी से बढवार लेते हैं, इसे प्राइमिंग भी कहते है

गेहूं की श्री विधि से खेती हेतु खेत की तैयारी।

गेहूं की श्री विधि के लिए खेत की तैयारी सामान्य गेहूं की खेती की तरह ही करते हैं

1. गोबर खाद 20 क्विंटल या केंचुआ खाद 4 क्विंटल प्रति एकड़ में प्रयोग करना चाहिए कम्पोस्ट खाद की उचित मात्रा के बिना सिर्फ रासायनिक खाद का प्रयोग करते रहने से खेत की उपज क्षमता घटती जाती है
2. अगर खेत में पर्याप्त नमी नहीं है तो बुआई के पहले एक बार पलेवा (जुताई से पहले सिंचाई) करना चाहिए
3. अंतिम जुताई के पहले 2 किलोग्राम डी ए पी एवं 13.5 किलोग्राम पोटाश खाद प्रति एकड़ खेत में छींटकर अच्छी तरह हल से मिट्टी में मिला दें

गेहूं की श्री विधि से बुआई

1. बुआई के समय खेत में अंकुरण के लिए पर्याप्त नमी होना चाहिए, क्योंकि अंकुरित बीज लगाए जा रहे हैं, अगर पर्याप्त नमी नहीं होगी तो अंकुर सूख जायेंगे
2. बीजों को कतार में 8 इंच की दूरी में लगाया जाता है

3. इसके लिए एक पतले कुदाली से 8 ईंच की दूरी पर 1 से 1.5 ईंच गहरी नाली बनाते हैं, और इसमें 8 ईंच की दूरी पर 2 बीज डालते हैं और उसके बाद मिट्टी से ढक देते हैं, यदि एक सप्ताह के बाद जिस जगह बीज नहीं अंकुरते हैं वहाँ नया बीज लगा देते हैं

गेहूं की श्री विधि से खेती की देखभाल

1. गेहूं की श्री विधि से बुआई के 15 दिनों के बाद एक सिंचाई देना जरूरी है, क्योंकि इसके बाद से पौधों में नई जड़े आनी शुरु होती है, यदि जमीन में नमी न हो, तो पौधा नई जड़े नहीं बनाएगा एवं बढ़वार रुक जाएगी
2. सिंचाई के बाद 40 किलो यूरिया और 4 क्विंटल वर्मीकम्पोस्ट को मिलाकर बुरकाव कर दें
3. सिंचाई के 2 से 3 दिन बाद पतले कुदाल या वीडर से मिट्टी को ढीला करें, साथ ही खरपतवार भी निकाल दें यह करना अति आवश्यक है, नहीं तो सिंचाई और खाद देने के बाद खेत में खरपतवार उग जायेंगे

इस प्रकार की कोड़ाई करने से गेहूं के पौधे की जड़ों को लंबा होने में मदद मिलती है और वे मिट्टी से ज्यादा पोषण और नमी प्राप्त करते है